मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, गुरुवार, 3 जुलाई 2025

संवत 2082, आषाढ़ शुक्ल 8 मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 299 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ साहित्य सभा में चीरहरण

चुनौतियों से भरे किरदार करना चाहती हूं -सोनाक्षी ◀◀ 6

रांची पहुंचे नितिन गडकरी, संजय सेठ ने किया स्वागत

558 करोड़ रुपए की लागत से बने रातू रोड एलिवेटेड कॉरिडोर का करेंगे शुभारंभ

6350 करोड़ की परियोजनाओं का मंत्री करेंगे उद्घाटन

संवाददाता

रांची: केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी रांची पहुंच गये हैं। रांची एयरपोर्ट पर रक्षा राज्य मंत्री सह रांची सांसद संजय सेठ ने शॉल ओढ़ाकर उनका स्वागत किया। इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी भी मौजूद रहें। रांची एयरपोर्ट से ही नितिन गडकरी गढ़वा के लिए रवाना होंगे।

गढ़वा में मंत्री रेहला फोर लेन रोड उद्घाटन करेंगे। वहां से वे वापस रांची लौटेंगे। रांची में मंत्री नितिन गडकरी सबसे पहले बिरसा चौक स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। यहां से रातू रोड पहुंचेंगे और करीब 3 बजे

रातू रोड एलिवेटेड कॉरिडोर का उदघाटन करेंगे। मोटरसाइकिल जुलूस के साथ मंत्री ओटीसी ग्राउंड पहुंचेंगे और सभा को संबोधित करेंगे।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी बृहस्पतिवार को झारखंड में 6,350 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री राज्य में 11 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे, जिनमें रांची में नौ और गढ़वा में दो परियोजनाएं शामिल हैं। इन परियोजनाओं में रांची में 560 करोड़ रुपये की लागत वाला एक एलिवेटेड

कॉरिडोर और गढ़वा में 2,460 करोड़ रुपये की लागत वाली दो परियोजनाएं शामिल हैं।

गडकरी 4.18 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड रातू रोड फ्लाईओवर का उद्घाटन करेंगे। यह फ्लाईओवर राजभवन के पास से शुरू होकर रांची में ओटीसी ग्राउंड पर समाप्त होता है। अधिकारियों ने बताया कि गढ़वा में वह शंख से खजूरी तक 1,130 करोड़ रुपये की लागत से बने 23 किलोमीटर लंबे चार लेन वाले राजमार्ग का उद्घाटन करेंगे। उन्होंने बताया कि गडकरी छत्तीसगढ़-झारखंड अंतर-राज्यीय सीमा से गुमला तक राष्ट्रीय राजमार्ग 39 के 32 किलोमीटर लंबे हिस्से को चार लेन बनाने के लिए 1,330 करोड़ रुपये की परियोजना की आधारशिला भी रखेंगे।

एक अधिकारी ने बताया, रांची से केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री गडकरी 1,900 करोड़ रुपये की पाल्मा-गुमला फोर-लेन परियोजना, 825 करोड़ रुपये की बरही-कोडरमा फोर-लेन परियोजना, गोड्डा के लिए 100 करोड़ रुपये की परियोजना, गिरिडीह के लिए 20 करोड़ रुपये की परियोजना और रांची में एलिवेटेड कॉरिडोर के अलावा 70 करोड़ रुपये की बाराहाट-तुलसीपुर परियोजना की शुरूआत करेंगे। अधिकारी ने बताया कि इसके अलावा वह झारखंड में कई पुलों की आधारशिला भी रखेंगे।

सर गंगाराम अस्पताल में वेंटीलेटर पर शिबू सोरेन, हालत स्थिर

संवाददाता

रांची/नई दिल्ली: दिल्ली के सर गंगाराम हॉस्पिटल में भर्ती झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन वेंटिलेटर पर हैं, जहां उनकी हालत स्थिर बनी हुई है। इसके बारे में सर गंगाराम अस्पताल में नेफ्रोलॉजी विभाग के चेयरमैन डॉ एके भल्ला ने बताया कि अधिक उम्र होने व बाईपास सर्जरी होने के चलते रिकवरी में समय लग रहा है। साथ ही वह डायबिटिक भी हैं। उनको किडनी और फेफड़े की लंबे समय से बीमारी है। हाल ही में उन्हें ब्रेन स्ट्रोक भी आया था, इसके चलते उन्हें ठीक होने में समय लग रहा है। हालांकि, उनकी हालत में पहले से सुधार हो रहा है।

बताया गया कि शरीर के बाएं हिस्से में ब्रेन स्ट्रोक होने से पैरालाइसिस की शिकायत के बाद वरिष्ठ नेता शिबू सोरेन को सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। तभी से वह अस्पताल में आईसीयू में वेंटीलेटर पर हैं। इसके चलते झारखंड के मुख्यमंत्री और उनके बेटे हेमंत सोरेन करीब एक सप्ताह से दिल्ली में ही रुके हुए हैं। शिबू सोरेन का हालचाल लेने के लिए सर गंगाराम अस्पताल में नेताओं का आना-जाना भी लगा हुआ है।

मिलने पहुंची ये हस्तियां: अब तक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री एवं रांची के सांसद संजय सेठ, सीपीआईएम नेता वृंदा करात, झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार, सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी सहित तमाम नेताओं ने सर गंगाराम अस्पताल पहुंचकर उनका हाल-चाल जाना। बता दें कि, शिबू सोरेन को झारखंड में दिशोम गुरू के नाम से जाना जाता है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ उनकी पत्नी कल्पना सोरेन, भाई बसंत सोरेन और परिवार के अन्य सदस्य भी दिल्ली में मौजूद हैं, जहां वे शिबू सोरेन की स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। झारखंड सहित देश के कई हिस्सों में उनके जल्दी स्वस्थ होने की कामना की जा रही हैं।

सीबीआई की बड़ी कार्रवाई 6 राज्यों में 40 से अधिक ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी, 6 लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली : केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने रिश्वतखोरी के एक बड़े मामले में छह राज्यों में बड़ी कार्रवाई की है। कर्नाटक, राजस्थान, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और मध्य प्रदेश में 40 से अधिक स्थानों पर छापेमारी की गई है। इस दौरान तीन डॉक्टरों सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिन पर रिश्वत लेकर मेडिकल कॉलेजों को अनुकूल निरीक्षण रिपोर्ट देने का आरोप है।

सीबीआई ने यह कार्रवाई छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर स्थित श्री रावतपुरा सरकार आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान के अधिकारियों और बिचौलियों के

खिलाफ की। आरोप है कि इन लोगों ने मेडिकल कॉलेजों की मान्यता के लिए होने वाले वैधानिक निरीक्षण में हेरफेर किया। निरीक्षण करने वाले डॉक्टरों ने कथित तौर पर रिश्वत लेकर अनुकूल रिपोर्ट दी। सीबीआई को सूचना मिली थी कि संस्थान के पदाधिकारी निरीक्षकों को प्रभावित कर रहे थे। इसके आधार पर सीबीआई ने जाल बिछाया और 55 लाख रुपये की रिश्वत के लेन-देन के दौरान छह लोगों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। मध्य प्रदेश के इंदौर में इंडेक्स कॉलेज के प्रबंधक के ठिकानों पर भी छापेमारी हुई। यह कार्रवाई सुबह 3 बजे शुरू हुई और 8 बजे तक चली। सीबीआई ने इस ऑपरेशन को पूरी तरह गुप्त रखा और जानकारी को एक्स पर पोस्ट करके सार्वजनिक की।

गिरफ्तार आरोपियों को संबंधित अदालतों में पेश किया जाएगा। सीबीआई के अनुसार, आरोपियों ने निरीक्षकों को रिश्वत देकर निरीक्षण प्रक्रिया में हेरफेर किया। रिश्वत की राशि बेंगलुरु में पहुंचाई गई थी। इस मामले में विभिन्न राज्यों में तलाशी अभियान जारी है।

ट्रंप के दावों पर जयशंकर ने फिर फेरा पानी,कहा- सीजफायर भारत- पाक डीजीएमओ के बीच हुआ,अब इस मुद्दे को यहीं छोड़ता हूं

वाशिंगटन/नई दिल्ली : ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावे को विदेश मंत्री एस जयशंकर ने खारिज कर दिया है। जयशंकर ने कहा, हमें पता है क्या हुआ था, अब उसे वहीं छोड़ देते हैं । वाशिंगटन में क्वॉड शिखर सम्मेलन के इतर पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए जयशंकर ने अपने बयानों से ट्रंप के दावों पर पानी फेर दिया है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने वाशिंगटन में स्पष्ट किया कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम समझौता दोनों देशों के सेना संचालन महानिदेशकों के बीच हुई सीधी बातचीत का परिणाम था। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने युद्धविराम को भारत के साथ व्यापार वार्ताओं से जोड़ने की बात कही थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बार-बार यह दावा करते आ रहे हैं कि उन्होंने व्यापार को एक रणनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करते हुए भारत-पाकिस्तान के बीच परमाणु युद्ध होने से रोक लिया।

दलादली में हुए सड़क हादसे में दो युवक की मौत

राजधानी रांची में 24 घंटे में विभिन्न सड़क दुर्घटना में सात लोगों की गयी जान

संवाददाता

रांची: राजधानी में पिछले 24 घंटे के दौरान विभिन्न सड़क हादसों में सात लोगों ने अपनी जान गंवा दी है। गुरुवार सुबह रांची के दलादली ओपी क्षेत्र में सड़क हादसे में दो युवक की दर्दनाक मौत हो गई जबकि दो बुरी तरह से जख्मी हुए हैं। इससे पहले बुधवार को भी तमाड़, नगड़ी और रातू में हुए सड़क हादसे में पांच लोगों की जान गई थी।

रांची के ग्रामीण इलाकों में सड़क हादसे लोगों की जान ले रहे हैं। बुधवार से लेकर गुरुवार की सुबह तक सड़क हादसों में सात लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। ताजा मामला रांची के दलादली ओपी क्षेत्र का है, गुरुवार की सुबह बाइक सवार तीन युवकों को एक अज्ञात वाहन ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इस घटना में नसीम नाम के एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो अन्य युवक बुरी तरह से घायल हैं।

इस हादसे को लेकर दलादली ओपी प्रभारी विकास कुमार ने बताया कि टक्कर मारने वाले अज्ञात वाहन के बारे में जानकारी हासिल की जा रही है। इस हादसे में दो घायलों को इलाज के लिए भेजा गया है वहीं मृतक के शव को पोस्टमार्टम के रिम्स भेजा गया है। जिसके बाद आगे की प्रक्रिया की जाएगी। वहीं इस मामले की जांच भी की जा रही है।

बुधवार को एक परिवार के तीन लोगों की गयी थी जानः इससे पहले दलादली से सटे नगड़ी थाना क्षेत्र में भी बुधवार को भीषण हादसा हुआ था। जिसमें एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। नगड़ी थाना प्रभारी अभिषेक ने बताया कि नगड़ी थाना अंतर्गत नारे बाजार रांची गुमला मुख्य सड़क पर एक मोटरसाइकिल पर छह लोग सवार थे, जिसमें माता-पिता और चार बच्चे थे। इसी दौरान बाइक की एक ट्रक से ठोकर लग गयी। जिसमें सभी छह बुरी तरह से घायल हुए। सभी घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, इलाज के दौरान डॉक्टरों के द्वारा पूजा धान, पांच वर्षीय बच्ची अनुष्का धान और एक और बच्ची अनामिका धान को मृत घोषित कर दिया गया। इस हादसे में तीन लोग घायल हुए हैं, इन सभी का इलाज चल रहा है।

वाहन की चपेट में आने से महिला की मौत, ग्रामीणों ने किया रोड जामः बुधवार को ही रांची के रातू थाना क्षेत्र के रिंग रोड स्थित सिमलिया हाजी चौक पर एक सड़क हादसे में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार महिला सड़क पार कर रही थी तभी एक तेज रफ्तार चार पहिया वाहन ने उन्हें कुचल दिया। इस घटना के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने सड़क को भी काफी देर तक जाम किए रखा था। बुधवार को रांची के अन्य इलाकों से भी दो लोगों की मौत सड़क हादसे में हुई है।

आपसी विवाद में पति ने पत्नी को टांगी से काट डाला, आरोपी गिरफ्तार

पलामू: जिले के नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर पंचायत के महुआरी गांव में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी को टांगी से काट डाला। इस घटना में पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। वहीं, शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। दरअसल, बुधवार की शाम नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र के महुआरी गांव में बसंत भुईयां और उसकी पत्नी के बीच विवाद हुआ था। इसी विवाद में बसंत ने अपनी पत्नी को टांगी से काट डाला। घटना के बाद परिजन एवं ग्रामीणों ने पूरे मामले की जानकारी पुलिस को दी। घटना की सूचना पाकर नौडीहा बाजार थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और इलाके में छापेमारी कर हत्यारोपी पति बसंत भुईयां को गिरफ्तार कर लिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजन एवं रिश्तेदार भी मौके पर पहुंचे।

नौडीहा बाजार के थाना प्रभारी अमित कुमार द्विवेदी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हत्या के आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। पूरे मामले में पूछताछ की जा रही है। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान प्रारंभिक जानकारी निकलकर सामने आई है कि दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसी विवाद में हत्या की घटना को अंजाम दिया गया है।

पलामू में भीषण सड़क हादसा

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो और बाइक की जोरदार टक्कर में तीन की मौत

पलामू : जिले में हुए एक भीषण सड़क हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई है। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

मामला जिले के सदर थाना क्षेत्र के सिंगर खुर्द का है। बताया जा रहा है कि एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो और बाइक की आपस

में जोरदार टक्कर हो गयी। टक्कर के बाद स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर पेड़ से जा टकराई। हादसे में 3 युवकों की मौत हो गयी जबकि 3 घायल हो गए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनका इलाज चल रहा है।

न्यूज IN ब्रीफ

ब्यूटी पार्लर प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम का भव्य उद्घाटन, 30 प्रतिभागियों ने लिया भाग

मुरी: धर्मस्थल मंजूनाथेवश्वर शिक्षण ट्रस्ट एवं केनरा बैंक द्वारा संचालित रूडसेट संस्थान सिल्ली में 35 दिवसीय जूनियर ब्यूटी प्रैक्टिशनर लघु उद्यमी (ब्यूटी पार्लर प्रबंधन प्रशिक्षण) कार्यक्रम का शुभारंभ समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षित करना है। उद्घाटन सत्र में कुल 35 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया और प्रशिक्षण के प्रति उत्साह दिखाया। कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान के निदेशक संजीत कुमार द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक ने बताया कि यह प्रशिक्षण 35 दिनों तक चलेगा, जिसमें ब्यूटी पार्लर संचालन, ग्राहक सेवा, सौंदर्य उत्पादों का ज्ञान, और उद्यमिता कौशल पर विशेष प्रशिक्षण एवं ध्यान दिया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम के पहले दिन प्रतिभागियों ने बेसिक स्किन केयर और हेयर केयर तकनीकों के बारे में सीखा। सभी प्रतिभागी प्रशिक्षण को लेकर बेहद उत्साहित नजर आए। प्रशिक्षण के बाद आप अपना स्वयं का स्वरोजगार करे। मौके पर वरिष्ट संकाय अनिल कुमार , वरिष्ट संकाय जगदीश चंद्र महतो, दशरथ कुमार महतो, महेश रोहिदास, सुनील मुंडा उपस्थित रहे।

कम्प्यूटराइज एकाउंटिंग और एसिस्टेंट बुक कीपर प्रशिक्षण रूडसेट में छह जुलाई से

मुरी: धर्मस्थला मंजूनाथेश्वर शिक्षण ट्रस्ट एवं केनरा बैंक द्वारा संचालित रूडसेट संस्थान सिल्ली राँची में 38 दिवसीय एसिस्टेंट बुक कीपर/ कम्प्यूटराइज एकाउंटिंग प्रशिक्षण 6 जुलाई से प्रारम्भ होने वाला है इच्छुक बेरोजगार युवक एंव महिलाएं जिनका उम्र 18 से 45 वर्ष के बीच है तथा वे प्रशिक्षण लेकर अपना रोजगार करना चाहते हैं वे संस्थान कार्यालय मे संपर्क कर अपना नामांकन करा सकते हैं। यह प्रशिक्षण पूर्णतःनिःशुल्क होगा। प्रशिक्षण के लिए आधार कार्ड, राशन कार्ड, बीपीएल कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड,शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, बैंक पासबुक,महिला समूह कोड आदि डाक्यूमेंट की आवश्कता है। विशेष जानकारी के लिए संपर्क नंबार7820953480,9523381187,9308544400, 7370885508 ।

नवनिर्मित वनांचल महाविद्यालय के सभागार का सांसद ने किया उद्घाटन

चतरा: टंडवा प्रखंड के आम्रपाली-चन्द्रगुप्त परियोजना के सौजन्य से नवनिर्मित वनांचल महाविद्यालय, टंडवा के सभागार का भव्य उद्घाटन बुधवार को चतरा लोकसभा सांसद कालीचरण सिंह ने किया। उद्घाटन समारोह की शुरूआत पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ हुई, जहां सांसद के कॉलेज पहुंचने पर झारखंडी संस्कृति के प्रतीक ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच उनका आत्मीय स्वागत किया गया। इसके पश्चात सांसद श्री सिंह ने विधिवत नारियल फोड़कर एवं फीता काटकर सभागार भवन का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में वनांचल महाविद्यालय के सचिव अक्षयवट पांडे ने गुलदस्ता भेंट कर मुख्य अतिथि का स्वागत किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कॉलेज के छात्र-छात्राएं, शिक्षकों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों की उपस्थिति रहें। उद्घाटन के बाद सांसद श्री सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में बुनियादी ढांचे का सशक्त होना आवश्यक है। यह सभागार आने वाले समय में विद्यार्थियों की प्रतिभा निखारने और सांस्कृतिक, शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा देने का माध्यम बनेगा। इस अवसर पर सिमरिया के विधायक कुमार उज्जवल दास, विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग के कुलपति चंद्रभूषण शर्मा, सांसद प्रतिनिधि विनय सिंह, सांसद प्रतिनिधि सुनील चौरसिया, मंडल अध्यक्ष संजीव मिश्रा, विकास कुमार मालाकार, मिथिलेश गुप्ता, विजय दांगी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण योजनाओं की समीक्षा को लेकर केंद्रीय दल ने किया चतरा का दौरा

चतरा: खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग, झारखंड, रांची के निदेर्शानुसार तथा भारत सरकार, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा के उद्देश्य से आकांक्षी जिला चतरा में केंद्रीय दल का दौरा संपन्न हुआ।मंगलवार देर शाम चतरा परिसदन आगमन पर केन्द्रीय दल के वरिष्ठ पदाधिकारी गोकुल नगरकोटी, निदेशक रामानंद मीणा, सेक्शन ऑफिसर का स्वागत अपर समाहर्ता अरविंद कुमार एवं जिला आपूर्ति पदाधिकारी मनिंदर भगत द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। बुधवार को केंद्रीय टीम ने जिला आपूर्ति पदाधिकारी के साथ संयुक्त रूप से एफसीआई गोदाम (कुल्लू मोड़, उटा), हफुआ, टीकर तथा चतरा सदर प्रखंड के विभिन्न जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) दुकानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में लाभुकों से संवाद कर वितरण की प्रक्रिया, स्टॉक की उपलब्धता, गुणवत्ता एवं पारदर्शिता की स्थिति का अवलोकन किया गया। निरीक्षण के उपरांत केंद्रीय दल ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली की बेहतरी के लिए कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु राज्य एवं जिला प्रशासन के प्रयासों की सराहना की।

कोल वाहन की चपेट में आने से चालक की मौत, आक्रोशित लोगों ने किया सड़क जाम

- 6 लाख नगद व आपदा प्रबंधन से 1 लाख मुआवजा के आश्वासन के बाद हटा जाम
- उपायुक्त से मिलकर की जाएगी ट्रांसपोरिंग सड़क की मांग:निलेश

संवाददाता

चतरा: जिले में बेलगाम कोल वाहन की रफ्तार थमने का नाम नहीं ले रही। कोल वाहन की चपेट में आने से प्रति दिन आम लोगों की मौत हो रही है। ताजा मामला टंडवा थाना क्षेत्र के टंडवा-सिमरिया मुख्य सड़क पर बुधवार को घटित हुई है। रहमत नगर के समीप चट्टी बरियातू से कोयला लेकर टोरी रेलवे साइडिंग जा रहे ओएसएल कंपनी के एक कोल वाहन ने ट्रक चालक 32 वर्षीय आशिष रजक को अपने चपेट में ले लिया। घायल अवस्था में लोग प्राथमिक उपचार के लिए ले जा रहे थे जहां रास्ते में उसकी मौत हो गई। मौत की खबर सुनते ही परिजनो और ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर टंडवा-सिमरिया मुख्य सड़क को जाम कर दिया।जाम के कारण दोनों छोर पर कोल वाहनो की लंबी कतार लग गई। जानकारी के मुताबिक हजारीबाग जिलांतर्गत केरेडारी थाना क्षेत्र के सलगा-कुठान निवासी 32 वर्षीय आशीष रजक अपने ट्रक से कोयला लेकर बनारस जा रहा था। इसी दौरान रहमतनगर के पास उसकी ट्रक खराब हो गई। खराब ट्रक को दुर्घटना से बचाने के लिए चालक वाहन को पिछले हिस्से झाड़ी लगा रहा था। इसी बीच पीछे से आ रहे एक अनियंत्रित कोल वाहन ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। जिससे वह गंभीर रुप से घायल हो गया। घायल अवस्था में ही चालक ने अपने परिजनों को दूरभाष पर घटना की सूचना दी। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने 108 एंबुलेंस को सम्पर्क करने का प्रयास किया लेकिन कोई सम्पर्क नहीं हो पाया। पीछे से आ रहे अन्य कोल वाहन के चालक घायल को सिमरिया अस्पताल लेकर गया। लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई। इधर घटना के बाद आक्रोशित परिजनों ने नौकरी और मुआवजे की मांग को लेकर टंडवा-सिमरिया मुख्य पथ से कोयले ट्रांसपोर्टिंग कार्य पूरी तरह से ठप्प कर दिया। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना थाना प्रभारी को दी। घटना की सुचना पाकर थाना प्रभारी उमेश राम व बीडीओ देवलाल उरांव दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे व लोगो को समझाने बुझाने का प्रयास किया। लेकिन परिजन 25 लाख और नौकरी की मांग पर अड़े रहे। बाद में झामुमो जिलाध्यक्ष सह कबरा मुखिया नीलेश ज्ञार्सेन, प्रकाश यादव, चंद्रदेव साव व नितेश राणा की पहल पर वार्ता की गई। वार्ता में परिजनों को 6 लाख नगद व एक लाख आपदा प्रबंधन से दिए जाने का आश्वासन के बाद 15 घंटों से से लगे जाम को लोगो ने हटा लिया। वहीं जिलाध्यक्ष नीलेश ज्ञासेन ने कहा कि बहुत जल्द चतरा उपायुक्त से मिलकर मुआवजा नीति व अलग ट्रांसपोर्टिंग सड़क बनाने की मांग रखेंगे।

मुरी- गोला सड़क चौड़ीकरण के नाम पर करोड़ों का घोटाला : देवेंद्रनाथ महतो

संवाददाता

मुरी: झमाझम बारिश के साथ सरकार की कई विकास की पोल खुलते जा रही हैं। आज कुछ ऐसा ही दृश्य सिल्ली में देखने को मिला। बीच सड़क में धान रोपनी आंदोलन कार्यक्रम किया गया। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्रनाथ महतो ने सड़क पर विस्थापित रैयत व ग्रामीणों के साथ सड़क पर धान रोपनी कार्यक्रम चलाया। सिल्ली से गोला तक होने वाली सड़क चौड़ीकरण में लापरवाही देखने को मिल रही है। बीच सड़क पर घुटनों तक पानी लबालब भर आया है। तालाब की स्थिति बन गई है। यात्रियों का आवागमन ठप है। ग्रामीणों को स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचाना भी दुसवार हो गया है। श्री महतो ने कहा कि सड़क चौड़ीकरण के नाम पर महा घोटाला हो रहा है। सरकार के संरक्षण में रोड कंस्ट्रक्शन भारत वाणिज्य कंपनी अपनी मनमानी पर उतर आया है। नियमों का सरेआम उलंघन किया गया है। भूमि अधिग्रहण अधिनियम 2023 का सरेआम उलंघन किया जा रहा है, हमलोग के आंदोलन के परिणामस्वरूप कुछ दिन पूर्व आम सभा हुई और भूमि अधिग्रहण अधिनियम 2023 के धारा 11 नोटिफिकेशन जारी किया गया है, अभी भी धारा 19, धारा 21, धारा 37 का पालन नहीं किया गया है, सरकार के भू - अर्जन विभाग द्वारा भूमि का पोजिशन करके पथ निर्माण विभाग को समर्पित ही नहीं किया है तो आखिर कैसे खतियानी रैयतों के जमीन पर रोड चौड़ीकरण कार्य किया जा रहा है? इसके साथ ही श्री महतो ने सरकारी व्यवस्था पर उंगली उठाते हुए कहा कि इसकी लिखित पूर्व शिकायत हमने कई विभागीय अधिकारियों को दिया है। दिनांक 11अप्रैल 2025 को पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव से मुलाकात कर विस्तृत जानकारी दिया था 10 अप्रैल को कार्य स्थल में आंदोलन भी हो चुका है । फिर भी नियम का उलंघन करते हुए कंपनी जबरन कार्य कर रही है। जिसके दुष्परिणाम आस पास ग्रामीण का हाट बाजार, स्कूल, हॉस्पिटल आवागमन बाधित हो गया। मौके पर आंदोलन स्थल से देवेंद्र नाथ स्टेट हाइवे ऑथॉरिटी ऑफ झारखंड के टेक्निकल हेड, कार्यपालक अभियंता, सिल्ली सीओ से टेलीफोनिक वार्ता किया और तत्काल समस्या का समाधान का मांग किया है मौके पर वाणिज्य भारत के अधिकारी आंदोलन स्थल पहुंचे और 10 जुलाई तक तत्काल समस्या समाधान करने का आश्वासन दिया। मांग पूरी नहीं होने पर उग्र आंदोलन का दिया चेतावनी देते हुए धान रोपनी आंदोलन स्थगित किया गया। आंदोलन में भारी संख्या में सिल्ली प्रखंड जे एल के एम पदाधिकारी और ग्रामीण उपस्थित थे जिसमें मुख्य रूप से महावीर साहू, खुदीराम महतो, कृष्ण महतो, चैता, आलोक, प्राण, जाकिर के अलावा अन्य लोग उपस्थित थे।

दिव्यांग युवक की टांगी से मारकर हत्या, आरोपी फरार

हत्यारा युवक का सबसे करीबी मित्र है

संवाददाता

खूंटी : तोरपा थाना क्षेत्र के सैसेरा गांव में बुधवार को एक दर्दनाक हादसे ने पूरे गांव को हिलाकर रख दिया। जहां एक दिव्यांग युवक की निर्मम हत्या उसके सबसे करीबी दोस्त जिसे वो अपने भाई के जैसा मानता था उस ने कर दी। जिससे दोस्ती के रिश्ते पर गहरा धब्बा लग गया।

बताया जा रहा है कि 25 वर्षीय मृतक मोहन स्वांसी पंजाब की एक फैक्ट्री में काम करता था, जहां एक दुर्घटना में उसका एक हाथ कट गया था। इसके बाद वह गांव लौट आया था। और गांव में ही रह रहा था।

बुधवार दोपहर करीब 3 बजे, मोहन अपने दोस्त जिसे वो अपना भाई मानता था उस देवनंद गोप के साथ गांव के पास सड़क किनारे टहल रहा था।

अचानक दोनों में किसी बात को लेकर विवाद हो गया विवाद का कारण तो पता नहीं चला है पर विवाद इतना बढ़ गया कि देवनंद ने अपने दोस्त मोहन पर टांगी (छोटी कुल्हाड़ी) से हमला कर दिया।

गले पर वार करने से मोहन की वहीं मौत हो गई।

हत्या के बाद देवनंद सीधे मोहन के घर पहुंचा और उसके परिवार को बेरहमी से बताया झ₹मैंने मोहन को मार डाला।₹ उसने ऐसा क्यों किए ये लोगो में चर्चा का विषय बना हुआ है, पर इसके बाद वह जंगल की ओर भाग गया और अभी तक फरार है। इस पूरे घटना की जानकारी लोगो के द्वारा पुलिस को दी गई जिसके बाद

तोरपा थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

और आरोपी की तलाश के लिए छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है।

मोहन की मौत से पूरा गांव सदमे में है। परिवार वाले रो-रोकर बेहाल हैं।

ग्रामीणों ने आरोपी की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की है।

गांव वालों के अनुसार, मोहन शांत और सरल स्वभाव का था और देवनंद को भाई समान मानता था। यह घटना न सिर्फ एक हत्या है, बल्कि दोस्ती के विश्वासघात की कहानी भी बन गई है।

पुलिस आरोपी को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने के लिए व्यापक तलाश अभियान चला रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए कड़ी कार्रवाई की उम्मीद है।

नवविवाहिता ने पंखे में फांसी लगाकर की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

चतरा: जिले के सिमरिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत एदला गांव की एक नवविवाहिता ने फंखे में लटक कर मौत को गले लगा लिया। मृतक नवविवाहिता पूनम देवी पति छोटू राणा है। घटना की जानकारी मिलते हीं सिमरिया थाना प्रभारी प्रियेश प्रसून अपने दल बल के साथ घटना स्थल एदला पहुंचे।जहां नवविवाहिता को फंखे से लटके शरीर को नीचे उतारा गया। घटना की बाबत मिली जानकारी के अनुसार मृतक पूनम देवी का पति छोटू राणा सुबह छह बजे रांची काम करने के लिए निकला था।वहीं छोटू की मां भी सुबह जंगल के लिए घर से निकली थी। जबकि मृतक पूनम घर में अकेली थी। लगभग 9 बजे के करीब पड़ोसियों ने फंखे से लटका उसका शव देखा तो घटना की जानकारी सिमरिया पुलिस को दी। बताते चलें कि हजारीबाग जिले के चुरचू थाना क्षेत्र के गोदरा निवासी मृतक पूनम की शादी दो माह पूर्व सिमरिया थाना क्षेत्र के एदला गांव निवासी छोटू राणा के साथ हुई थी। हालांकि खबर लिखे जाने तक मृतक के परिजन और पति नहीं पहुंच पाए थे। वहीं घटना किस कारण घटी है इसकी सत्यता के लिए पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है। वहीं शव को सिमरिया पुलिस अपने कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए चतरा भेज दिया है।खबर लिखे जाने तक मामला दर्ज नहीं हुआ था।

सवारी गाड़ी के धक्के से बाईक चालक घायल,रेफर

गिद्धौर(चतरा): थाना क्षेत्र के बारीसाखी गांव निवासी प्रयाग रजक का 18 वर्षीय पुत्र चंदन कुमार रजक बीते मंगलवार देर शाम को घायल हो गया। घायल व्यक्ति अपने बाईक से चतरा से अपने निवास स्थान बारीसाखी आ रहा था।इसी क्रम में चतरा चौपारण मुख्य पथ में गंधारिया स्कूल के समिप विपरीत दिशा से आ रही सवारी गाड़ी ने चकमा दिया। जिससे बाईक चालक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे जा गिरा,और गंभीर रूप से घायल हो गया।

रानियां थाना क्षेत्र में मंदिर की मूर्ति मिली खंडित, सनातन समाज ने किया विरोध

खूंटी (झारखंड): खूंटी जिले के रानियां थाना अंतर्गत दुर्गा मंदिर में कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा मंदिर परिसर में भगवान की मूर्ति को खंडित करने की घटना ने स्थानीय समुदाय में रोष पैदा कर दिया है। इस मामले को लेकर सनातन समाज की बैठक हुई, जिसमें आपसी सहमति से रनिया बाजार को बंद रखा गया।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की है। उनका कहना है कि इस तरह की घटना रनिया में पहली बार हुई है और यहां सभी समुदायों के लोग सद्भाव के साथ रहते आए हैं। हिंदू समाज के लोगों ने साफ किया कि वे ऐसी वारदात को बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और सख्त सजा की मांग की है।

प्रशासन ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए जांच शुरू की है और जल्द ही दोषियों को पकड़ने का आश्वासन दिया है। स्थानीय नेताओं ने शांति बनाए रखने की अपील की है, साथ ही यह सुनिश्चित करने को कहा है कि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

इस घटना ने पूरे क्षेत्र में तनाव की स्थिति पैदा कर दी है, लेकिन समुदाय के बीच शांति और सद्भाव बनाए रखने के प्रयास भी जारी हैं।

आठ आईपीएस अधिकारियों को मिला अतिरिक्त प्रभार, आदेश जारी

संवाददाता

रांची: झारखंड में 8 आईपीएस अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने गुरुवार को इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। जारी आदेश में कहा गया है कि जिन आईपीएस अधिकारियों को अपने पद के अलावा अतिरिक्त पद का प्रभार दिया गया है, वे उस पद पर नियमित पदस्थापन होने तक उस पद का भी कार्य देखेंगे।

झारखंड सरकार ने डीजीपी द्वारा आठ आईपीएस अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार देने के मामले को गंभीरता से लिया था। इसे लेकर गृह विभाग ने डीजीपी अनुराग गुप्ता से स्पष्टीकरण मांगा है। साथ ही कहा है कि भविष्य में इस तरह की घटना दोबारा ना हो। गृह विभाग ने 10 जून को डीजीपी कार्यालय से जारी उस आदेश को रद्द कर दिया है। जिसमें आठ आइपीएस अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया था

जानें किन्हें मिला कहां का अतिरिक्त प्रभार :

-जामताड़ा एसपी राजकुमार मेहता को आईआरबी-1 का भी प्रभार

झ चतरा एसपी सुमित अग्रवाल को आईआरबी-3 की अतिरिक्त जिम्मेदारी

- गुमला एसपी हरीश बिन जमा आईआरबी-5 का भी दायित्व संभालेंगे

- गोड्डा एसपी मुकेश कुमार आईआरबी-8 का भी प्रभार संभालेंगे

- सिटी एसपी धनबाद ऋत्विक श्रीवास्तव को रेल एसपी धनबाद की भी जिम्मेदारी

- जमशेदपुर ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग रेल एसपी जमशेदपुर का कार्य भी देखेंगे

- जैप 10 कमांडेंट सौरभ जैप 1 कमांडेंट का भी कार्यभार देखेंगे

- ग्रामीण एसपी धनबाद कपिल चौधरी को जैप-3 कमांडेंट का अतिरिक्त कार्यभार

प्रोजेक्ट बालिका+2 विद्यालय चरपोखरी में विदाई सह सम्मान समारोह

संवाददाता

रांची: आज स्थानीय प्रोजेक्ट बालिका+2 विद्यालय चरपोखरी के प्रेक्षागृह में में विदाई सह सम्मान समारोह आयोजित किया गया। मौका था 12 वर्ष से नियुक्त समाजिक विज्ञान शिक्षिका प्रतिमा कुमारी के स्थानांतरण का। प्रतिमा कुमारी अपने समय काल में बड़ा ही मौलिक रचनात्मक अंदाज में शैक्षणिक परिवर्तन के पक्षधर रही है। ढेरों बदलाव विद्यालय गतिविधि में इन्होंने अपने समय काल में संचालित कर विद्यालय हित को सर्वोपरि रखा है। विद्यालयों में हाल के समय में स्थानांतरण जारी है। लेकिन शिक्षक शिक्षिका ने मिलकर जो संदर्भ गढ़ा है विद्यालयों में वह लोक शिक्षा के लिए बेहतर है। प्रतिमा कुमारी ने अपने संबोधन में कहा कि स्कूल व क्लास रूम हमारे लिए मंदिर जैसा रहा। हमने संवैधानिक मूल्यों को सर्वोपरि रख खुद को विद्यालय में तपाया है। विधिवत दीप प्रज्वलित होने के बाद प्रभारी प्रधानाध्यापक अजय राय ने सभा संबोधित करते हुए बोले कि निश्चित रूप से प्रतिमा जी में असिम संभावनाएं हैं। इनके द्वारा सृजित व्यवस्था को कभी स्कूल और छात्राएं भुल नहीं पाएंगे। वहीं शिक्षिका अर्चना कुमारी ने अपने संबोधन में कहा कि प्रतिमा जी हमेशा बेहतरी के लिए विचार साझा करती रही है। विदाई समारोह में शामिल शिक्षक शिक्षिकाओं ने बारी बारी से संबोधित किया। अपने संबोधन में शिक्षिका अर्पिता यादव, पिंकी कुमारी, रिंकल कुमारी ने कहा यह विदाई नहीं विद्यालय की खिलखिलाहट जो प्रतिमा जी में था उसे हम कैसे पूरा करेंगे। शिक्षक सुनित त्रिपाठी, सुकेश कुमार, मनोज कुमार ने बारी बारी से संबोधित किया। कहा यह एक प्रकृया जिसे मानना होगा, प्रतिमा जी के रिक्त पद को भरना आसान नहीं होगा। कला शिक्षक रौशन राय ने संबोधित करते हुए कहा कि आपने 12 वर्षों तक सेवा दिया दिया है। आपने विद्यालय गतिविधि में बढ़ चढ़ हिस्सा ले खुद को साबित किया है। इस अवसर पर विद्यालय परिवार के तरफ से प्रतिमा कुमारी को अंग वस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित रिंकी कुमारी,इंदु यादव, रविनंदनी, अंशिका कुमारी, निरज कुमार, शुभांशु शर्मा सभी ने मिलकर भावभीनी बिदाई दी। संचालन प्रिती कुमारी अंत में धन्यवाद ज्ञापन अर्चना कुमारी ने किया।

झारखंड रत्न डॉ बीपी केशरी के 92वें जयंती समारोह का आयोजन संपन्न

रांची: जिला केसरवानी वैश्य सभा एवं पिठोरिया ग्राम निवासियों के तत्वावधान झारखंड आंदोलन के महानायक झारखंड रत्न डॉ बीपी केशरी की जयंती पिठोरिया पंचायत भवन में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई । कार्यक्रम की शुरूआत आये हुए अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कश्यप मुनि एवं डॉ केशरी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गय। आए हुए अतिथियों का सम्मान उन्हें माला पहनाकर, अंग वस्त्र देकर एवं काव्यांजली पुस्तक देकर किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कांके विधायक सुरेश बैठा ने मंच को सुशोभित करते हुए कहा कि डॉ केशरी झारखंड के धरोहर थे झारखंड में उनकी पहचान जरूर होनी चाहिए उन्होंने कहा कि रातू रोड फ्लाइओवर का नाम डॉ केशरी के नाम पर हो इसके लिए वे केंद्र और राज्य सरकारों से पत्र लिखकर मांग करेंगे । उनकी पुस्तकें झारखंड के बच्चों को पढ़ाई जानी चाहिए । मंच संचालन अध्यक्ष प्रदीप कुमार केशरी एवं डॉ हरीश कुमार चौरसिया ने संयुक्त रूप से किया। विशिष्ट अतिथि झारखण्ड सरकार के पूर्व मंत्री रामचंद्र केशरी ने उन्हें नमन करते हुए कहा कि मैं समाज के हर कार्य में आप सभी के साथ हूँ । अखिल भारतीय केसरवानी वैश्य सभा के राष्ट्रीय सलाहकार तपेशवर केशरी ने कहा कि वे झारखंड के अलग राज्य के प्रमुख आंदोलन कारी थे, झारखंड समन्वयक समिति के सदस्य और 1989 में रामदयाल मुंडा तथा विनोद बिहारी महतो के बीच समन्वय में सहायक थे साथ में उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से समाज को विकास की ओर अग्रसर कर सकते हैं । विशिष्ट अतिथि पद्मश्री मधु मंसूरी ने कहा कि हमे उनके सपनों को हरसंभव प्रयास कर पूरा करने की जरूरत है । उन्होंने अपना प्रसिद्ध गीत गाँव छोड़ब नाही गाकर सबों को रिझाया । उनकी सुपुत्री डॉ सीमा केशरी ने कहा कि सफल होने के लिए हमे अनुशासन का सख्त पालन करने की आवश्यकता है । कोई भी कार्य को समय पर कर लेने की जरूरत है। मुख्य वक्ता डॉ कृष्ण प्रसाद साहू कलाधर ने कहा कि शरीर नश्वर है पर व्यक्तित्व अमर रहता है । लोग अपने कर्म से महान होते हैं । एक महानायक जिन्होनें नागपुरी साहित्य में अपना योगदान दिया वे एक दूरदर्शी व्यक्तिव के थे झारखंड के आंदोलन में उनकी अहम भूमिका रही । इनका जन्म 01 जुलाई 1933 को पीठोरिया, राँची में हुआ । वे इतिहासकार एवं जनजातीय और क्षेत्रीय भाषा के प्रोफेसर थे । सभा को संबोधित करते हुए राँची जिला के पूर्व अध्यक्ष अनिल केशरी ने कहा कि वे सकारात्मक सोच के धनी व्यक्ति थे इंजीनियर मदन केशरी ने कहा उनके साथ बैठने मात्र से ही लोगों के ऊपर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता था वे अमर हैं उन्हें आज के युवा पीढ़ी को अपना प्रेरणा मानकर जीवन में आगे बढ़ने की आवश्यकता है । इस कार्यक्रम के दौरान रक्तदान शिविर का आयोजन भी किया गया साथ में आए हुए अतिथियों द्वारा पौधरोपण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष प्रदीप कुमार केशरी ने किया ।धन्यवाद ज्ञापन रवि कुमार केशरी ने किया '

इस आयोजन में उपस्थित हुए कांके विधायक सुरेश बैठा, केसरवानी समाज के संरक्षक सह राष्ट्रीय सलाहकार तपेशवर केशरी, पूर्व मंत्री रामचंद्र केशरी , डॉ कृष्ण प्रसाद साह , डॉ हरीश कुमार चौरसिया, पद्मश्री मधु मंसूरी, डॉ ड्ड सीमा केशरी, जिला के पूर्व अध्यक्ष अनिल केशरी, कार्तिक केशरी, पूर्व महामंत्री मनीष केशरी, संरक्षक सीताराम केशरी, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य प्रदेश संगठन मंत्री राधेश्याम केशरी, जिला अध्यक्ष प्रदीप कुमार केशरी, कोषाध्यक्ष रवि कुमार केशरी, अनुज कुमार सिन्हा, अशोक केशरी, सुमित केशरी, सुजीत केशरी, सतीश केशरी, महिला सभा के जिलाध्यक्ष नेहा केशरी, महामंत्री पूजा केशरी, कोषाध्यक्ष रंजना केसरी इंजीनियर मदन केसरी, अशोक केसरी सुजीत केसरी सहित सैकड़ों संख्या में केसरवानी बंधु एवं पीठोरिया ग्राम निवासी एवं महिलाएं उपस्थित थी।

प्राचीन देवी मड़ई का जीर्णोद्धार की गयी पूजा- अर्चना

मेट्रो रेज

रांची: एदलहातु सरना समिति के तत्वावधान में प्राचीन देवी मड़ई के जीर्णोद्धार के उपरांत विधि विधान के साथ पूजा अर्चना कर आज शुद्धिकरण किया गया। इस पूजा का मुख्य पुजारी राजू पाहन एवं मुख्य पाहन जगलाल पाहन के द्वारा रूढ़िवादी विधि विधान से पूजा संपन्न कराया गया। आज के इस पूजा अर्चना में सर्व प्रथम एदलहातु तालाब से गांव के पाहन एवं मुख्य पाहन के अलावा ग्राम के तमाम महिलाओं द्वारा जल उठाकर देवी मड़ई में जल अर्पण किया गया इसके बाद पाहन द्वारा धूप- धूवन चावल सिंदूर फूल एवं अन्य पूजन सामग्री के साथ पहले पाठी और एक पाठा के साथ बलि दे कर मड़ई के सुधिकारण की गई और साथ ही साथ मड़ाई बनाने के उपरांत कमेटी की ओर से दो बकरों की बलि दी गई इसके उपरांत सभी ग्राम वासियों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया एदलहातु के तमाम 5 टोला के आदिवासी मूलवासी माता बहने भाई बंधु और तमाम ग्रामवासी उपस्थित हुए और एदलहातु के पाहन राजू पाहन ने कहा कि के शहर के आधुनिक करण होने से आदिवासियों की रूढ़िवादी परंपरागत व्यवस्था शहरी करन होने के कारण हमारी रूढ़िवादी व्यवस्था विलुप्त हो रही है हमें आने वाली नई पीढ़ी को अपनी रूढ़िवादी परंपरागत व्यवस्था को बताने की जरूरत है तभी हमारा आदिवासी समाज सुरक्षित और संघरक्षित रहेगा। मुख्य पहान श्री जगलाल पहान ने कहा कि एदलहातु ग्राम में मड़ाई का जिनुद्वार होने से आदिवासियों की रूढ़िपरता जीवित रहेगी और इस प्रथा से गांव किस सुख समृद्धि रोग दुख दूर रहेगी सुख शांति आयेगी आज के इस कार्यकम में मुख्य रूप से अध्यक्ष – गुड्डू मुंडा, उपाध्यक्ष –सूरज मुंडा, महासचिव– मुकेश मुंडा, सचिव –आशीष मुंडा, कोषाध्यक्ष–मनीष मुंडा, उपकोषाध्यक्ष– विशाल मुंडा ओर सहयोगी सोनू मुंडा,अभिषेक मुंडा आदित्य मुंडा, हेमंत मुंडा, विशाल सांगा, कन्हैया गुरुंग, राजू मुंडा, रितेश मुंडा व अन्य उपस्थित थे।

समाजसेवियों ने स्कूली बच्चों के बीच बांटे कपड़े

रांची: शहर के विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े समाजसेवी मुकेश पोद्दार, उषा पोद्दार व सोनिया जैन अग्रवाल के संयुक्त सौजन्य से निवारणपुर स्थित मुख-बधिर स्कूल के छात्रों व हरमू हाउसिंग कॉलोनी स्थित (एचआई-67 के निकट) कल्याण एवं विकास समिति, हरमू (सामुदायिक भवन परिसर) में आर्थिक रूप से कमजोर स्कूली छात्र-छात्राओं के बीच परिधान का वितरण किया गया। मौके पर समाजसेवी मुकेश पोद्दार ने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा से सुखद अनुभूति होती है। वहीं, समाजसेविका सोनिया जैन अग्रवाल ने कहा कि पीड़ितों की सेवा सबसे बड़ा मानव धर्म है। आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को शिक्षित करने की दिशा में सामाजिक संगठनों और समाजसेवियों को आगे आने की जरूरत है, तभी हम स्वस्थ और समृद्ध समाज की परिकल्पना को साकार करने में सफल होंगे।

इस अवसर पर अवनी पोद्दार, सेवानिवृत्त सैन्य कर्मी व निशुल्क कोचिंग के संचालक ललन कुमार मिश्र, मूक-बधिर विद्यालय के प्राचार्य रविशंकर झा सहित अन्य उपस्थित थे।

इमाम हुसैन की ख्वाहिश का नाम हिंदुस्तान है: मौलाना तहजीबुल हसन

रांची: आज इमाम हुसैन की याद में भूतपूर्व विधायक स्व यासीन अंसारी के आवास में मजलिस-ए-अजा का आयोजन किया गया, इमाम हुसैन कि ख्वाहिश का नाम हिंदुस्तान है। सबसे प्यारा मुल्क हमारा हिंदुस्तान है। मुहर्रम हम और आप क्यूं मनाते है। इसकी जरूरत किया है। एक छोटा सा उदाहरण दो अक्टूबर को हम और आप गांधी जयंती मनाते हैं। इसलिए कि गांधी जी ने इस भारत के लिए सब कुछ कुर्बान कर दिया। मुहर्रम इसलिए मनाते है कि इमाम हुसैन ने इस दीन ए इस्लाम के लिए अपना सब कुछ कुर्बान कर दिया। उक्त बातें झारखंड वक्फ बोर्ड के सदस्य सह ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड झारखंड के अध्यक्ष सह मस्जिद जाफरिया रांची के इमाम व खतीब हाजी मौलाना सैयद तहजीबुल हसन रिजवी ने कहीं। वह सोमवार एक जुलाई को अफजल दुरानी के आवास पर बतौर मुख्यअतिथि बोल रहे थे। मौलाना ने कहा कि इमाम हुसैन किरदार का नाम है। इमाम हुसैन इस्लाम का नाम है। मुहर्रम इस लिए मनाओ ताकि आने वाले नस्लों को बताओ कि हम हुसैनियत के मानने वाले हैं, यजीदियत को नहीं। मुहर्रम निकालना जरूरी नहीं बल्कि इमाम हुसैन कि अजमत को पहचानना जरूरी है। इमाम हुसैन सच्चाई का नाम है। पैगंबर मोहम्मद ने कहा जिसने हुसैन से मोहब्बत किया उसने मुझसे मुहब्बत किया और जिसने हुसैन को सताया, बुरा भला कहा उसने मुझे कहा। बस आपको समझने की जरूरत है कि हम कहा है। इस मौके पर हाफिज खुर्शीद साहब, मस्जिदे गोसिया के इमाम मौलाना नसीम साहब, भाकपा के वरिष्ठ नेता इफ्तिखार महमूद, हाजी जफर यासीन, जावेद इकराम, बदर यासीन, नसर यासीन अन्य उपस्थित थे।

इंटरनेशनल प्लेयर विमल लकड़ा झारखंड का अभिमान हैं : मंत्री डॉ. इरफान अंसारी

रांची: मुख्यमंत्री के निर्देश पर राष्ट्रीय खिलाड़ी विमल लकड़ा को मिल रहा सर्वोच्च इलाज, सरकार हर पल खड़ी है साथ। राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी विमल लकड़ा के स्वास्थ्य को लेकर मैं व्यक्तिगत रूप से लगातार निगरानी कर रहा हूँ। आज स्वयं अस्पताल जाकर उनकी स्थिति की गहन समीक्षा की। मेडिकल टीम को तत्काल बुलाकर इलाज की प्रत्येक बारीकी की जानकारी ली और स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो – विमल को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा तत्काल उपलब्ध कराई जाए। मैंने उनकी पत्नी और परिजनों से भी मुलाकात कर उन्हें यह भरोसा दिलाया कि अब उनकी स्थिति स्थिर है और डॉक्टरों की राय में फिलहाल ऑपरेशन की आवश्यकता नहीं है। मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश हैं कि इस होनहार खिलाड़ी के इलाज में कोई कमी न रह जाए। झारखंड सरकार का पूरा स्वास्थ्य विभाग उनके साथ खड़ा है और हर आवश्यक जरूरत का ख्याल रखा जा रहा है। देश-विदेश से अनेक खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों के कॉल आ रहे हैं – सभी विमल लकड़ा जी के स्वास्थ्य की जानकारी ले रहे हैं और बेहतरीन इलाज की अपील कर रहे हैं। मैं स्वयं इस पूरे उपचार को निजी रूप से मॉनिटर कर रहा हूँ और सभी को यह भरोसा दिलाता हूँ कि यदि आवश्यकता पड़ी तो देश-विदेश के सर्वश्रेष्ठ न्यूरो सर्जनों से विमल जी का इलाज करवाया जाएगा। विमल लकड़ा केवल एक खिलाड़ी नहीं, झारखंड और भारत का गौरव हैं – एक अमूल्य धरोहर। उनके इलाज में किसी भी तरह की कमी नहीं आने दी जाएगी। परिवारजनों ने मुझसे मिलकर धन्यवाद दिया और भावुक होकर कहा कि ऐसे मुश्किल वक्त में सरकार का यह साथ कभी नहीं भुलाया जा सकता।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना

ई निविदा सूचना सं. जीएसयू–जेयू–एसएण्डटी–01–2025–26 भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनके लिए उप मुख्य संकेत एवं दूरसंचार अभियंता गति शक्ति यूनिट जोधपुर द्वारा निम्न लिखित सिगनलिंग एवं टेलीकॉम सम्बन्धी कार्य हेतु मुहरबंद ई निविदाएं आमंत्रित की जाती है। 1. कार्य का नाम: "उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल के डेगाना–रानगढ खंड के डीडवाना–लाडनू स्टेशन के बीच नए ब्लॉक स्टेशन के संबंध में संकेत एवं दूरसंचार कार्य"। 2. कार्य की अनुमानत लागत: रुपये 46338663.89/– 3. ई निविदा जमाकर्ता कार्यालय का पूर्ण पता: उप मुख्य संकेत एवं दूरसंचार अभियंता मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय जोधपुर ईरीश जोशी मार्ग जोधपुर। 4. बयाना राशि (Bid Security): रुपये 3,61,700/– 5. ई निविदा प्रपत्र जमा कराने एवं खुलने की तारीख व समय: 24/07/2025 को प्रातः 11:00 बजे तक ई टेंडर के माध्यम से आई आर ई पी एस पर ऑन लाईन निविदा जमा की जाएगी। निविदा को 24.07.2025 प्रातः 11:00 के बाद खोली जाएगी। 6. वैबसाईट विवरण एवं नोटिस बोर्ड व कार्यालय जहाँ से टेण्डर का विवरण देखा जा सके। एवं खरीद की जा सके।: www.ireps.gov.in नोट:– यह एक ई टेण्डर है इसलिए इसमें भाग लेने के लिए ठेकेदार ई टेण्डरिंग के द्वारा उल्लेखित वैबसाईट पर टेण्डर डाले।

771-AJ/25

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची

सर्वसाधारण के लिए सूचना

नाम– शेखर पासवान, उम्र करीब– 54 वर्ष, रंग– गोरा, ऊँचाई– 05 फीट, 06 ईंच, पहनावा– पिंक रंग का शर्ट एवं नीला रंग का पैंट हुए है।

उपरोक्त लापता व्यक्ति शेखर पासवान, पिता–स्व0 रामचन्द्र पासवान, नियर काली मंदिर, विष्टीपाड़ा, थाना–धनसार, जिला–धनबाद जो इन्हें मानसिक ईलाज हेतु ट्रेन से राँची लाने के क्रम में बगैर बताए कहीं चले गए जो आजतक अपने घर वापस नहीं आए है। जिनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। जिसके संबंध में मुरी ओ0पी0 सनहा संख्या–12/2025, दिनांक–11.03.2025 दर्ज कर खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता व्यक्ति कहीं मिलता/दिखता है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

Email ID (mc-dcb@jhpolice.gov.in)
पुलिस उपाधीक्षक, सिल्ली, राँची। – 9431770066
थाना प्रभारी मु0री0 ओ0पी0, राँची। – 8877257523

पुलिस उप–महानिरीक्षक–सह–
वरीय पुलिस अधीक्षक, राँची

PR 356361 Police (25-26)_D

एक तरफ बजरंग बली तो दूसरी तरफ मुहर्रम का निशान हुआ खड़ा

मेट्रो रेज

रांची: आज मुहर्रम के सातवीं पर कर्बला व इमामबाडों में फातिहा के साथ हुसैनी निशान खडे किये गये। इस दौरान डंकों की आवाज और या अली-या हुसैन के नारे से पूरा इलाका गूंजता रहा। शहर के पुराना इमामबाडा में से एक शमश नौजवान इमामबाड़ा जो शमश नौजवान कमिटी के द्वारा संचालित होता है। आज उस शमश नौजवान इमामबाड़ा हिंदपीढ़ी रांची में और सभी कर्बला, इमामबाड़ा समेत विभिन्न मुस्लिम बहुल इलाकों में फातिहा के बीच हुसैनी निशान खडे किये गये। शमश नौजवान कमिटी के संरक्षक सह पठान तंजीम के अध्यक्ष सह समाजसेवी अय्यूब राजा खान ने कहा कि मुहर्रम की सातवीं पर सुबह से ही शिवाजी चौक हिंदपीढ़ी रांची के शमश नौजवान इमामबाड़ा बाड़ा समेत विभिन्न कर्बला इमामबाड़ों में खिचड़ा व अन्य पकवानों का फातिहा हुआ। अय्यूब राजा खान ने कहा कि इस अखाड़ा की खूबसूरती यही है के एक तरफ बजरंग बली का निशान है तो ठीक उसके बगल में मुहर्रम का निशान खड़ा है। यहां हिन्दू मुस्लिम वाला राजनीतिक नहीं हिंदू मुस्लिम भाई भाई चलता है। हिंदू मुस्लिम मिलकर इमामबाड़ा में चढ़ावा चढ़ाते हैं। यह इमामबाड़ा आस्था के प्रतीक हैं। इस दौरान खलीफा परवेज उर्फ पप्पू के नेतृत्व में देश व समाज के लिये अमन व चैन की दुआ मांगी गयी।फातिहा के बाद निशान खड़ा किया गया। इस दौरान शमश नौजवान कमिटी की ओर से इमामबाड़ा में सिरनी का वितरण किया गया। वहीं शाम को हुसैनी निशान के साथ लोगों ने खलीफा परवेज उर्फ पप्पू के नेतृत्व में अस्त्र शस्त्र का का प्रदर्शन किया। फातिहा के सफल आयोजन में शमश नौजवान कमिटी के संरक्षक हाजी गुलाम रब्बानी, अय्यूब राजा खान, हमीद खान, अध्यक्ष मुस्तफा, जिशान, मो आजाद, मो नौशाद राजू, शाहबाज, हबीब, फैज, आकिब, आफताब, रौनक, गुड्डू, कलीम, मोना, सन्नी, अजहर, अरबाज, राजेंद्र, छोटू, अरुण, प्रदीप, साजिद व अन्य शामिल रहे।

उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, खूँटी
(खेल शाखा)
(Email ID – dsokhunti2017@gmail.com)

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि बिरसा कॉलेज फुटबॉल स्टेडियम में निर्मित 04 दुकानों(दूकान सं 01,02,43 एवं 44) के आवंटन हेतु प्राप्त कुल 37 आवेदनों में से दिनांक 04.07.25 को अपराहन 4.00 बजे उप विकास आयुक्त ,खूँटी के कार्यालय; कक्ष में लाटरी के माध्यम से आवंटन किया जाएगा।

जिला खेल पदाधिकारी,
खूँटी

PR 356385 District(25-26)#D

सुविचार

मेहनत करने से दरिद्रता नहीं रहती, धर्म करने से पाप नहीं रहता, मौन रहने से कलह नहीं होता.

विश्व शांति की जरूरत

जब इजराइल ने ईरान पर हमला शुरू किया तो अमेरिका ने न सिर्फ दूरी बनाए रखी बल्कि राष्ट्रपति ट्रंप ने दो हफ्तों बाद निर्णय लेने का एलान किया। मगर अचानक ईरान के तीन परमाणु केंद्रों पर रातो- रात बमबारी करते हुए युद्ध में सीधा कूद पड़ा। हालांकि उन्होंने पहले भी संकेत दिए थे। जब सोशल मीड़िया प्लेटफॉर्म ट्रुथ में लिखा था। सबको तेहरान को खाली कर देना चाहिए। ट्रंप ने खुद हमलों की जानकारी देते हुए कहा, परमाणु केंद्र पूरी तरह नष्ट कर दिए गए हैं। साथ ही ईरान को धमकी दी कि यदि उसने जवाबी कार्रवाई की तो उसके खिलाफ अधिक हमले किये जा सकते हैं। अमेरिका का यह ऑपरेशन मिड नाइट हैमर रहा। जिसमें फोड़र व नतांज पर हमला किया गया। नौसेना की पनडुब्बी द्वारा क्रूज मिसाइल का प्रयोग करते हुए इस्फहान पर निशाना बनाया गया। ट्रंप के जी7 की बैठक बीच में छोड़.कर लौटने को भी लोगों ने आशंका भरी नजरों से देखा था। हालांकि पेंटागन समेत अमेरिकी सेंट्रल कमांड, राष्ट्रपति के सहयोगी व सलाहकार,प्रशासन के अधिकारी व सैन्य योजानाकार चिंता व्यक्त कर रहे हैं। उनमें से कई को यह ईरान को उकसाने वाली कार्रवाई प्रतीत हो रही है, जबकि दो सप्ताह वाले बयान को पक्षकार कूटनीतिक योजना का हिस्सा ठहरा रहे हैं और इसे जटिल व ऐतिहासिक सैन्य अभियान बता कर अपनी पीठ खुद ठोक रहे हैं, जबकि विरोधी इसे इस्त्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की उत्कृष्ट रणनीति का हिस्सा ठहरा रहे हैं। उधर संयुक्त राष्ट्र परमाणु निगरानी संस्था अमेरिका हमलों को लेकर बैठक करने की तैयारी में है,जबकि अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की विरोधाभाषी बयानों के चलते ईरान आलोचना कर रहा है। सुगबुगाहट तो यह भी है कि ट्रंप की शेखी के बावजूद वास्तविक स्थिति अस्पष्ट ही है। कोई नहीं जानता कि ईरान के बम ग्रेड़ यूरेनियम को आखिर कितना नुकसान पहुंचा है। धार्मिक कट्टरतावाद या खामेनेई युग का अंत इतना आसान भी नहीं है। क्योंकि मुल्क में तख्तापलट तब तक संभव नहीं है। जब तक ईरानवासी या धार्मिक नेता के विराधी एकजुट न हो जाएं। दबी जबान से इसे तीसरे विश्व युद्ध का आगाज भी बताया जा रहा है। जिसका खामियाजा सारी दुनिया को भुगतने के लिए तैयार होना होगा। विश्व शांति की बातें बनाने वाली सभी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को अमेरिका के आगे घुटने टेकने की बाजाए हरकत में आना होगा और कूटनीतिक तरीके से इस संघर्ष पर विराम लगाने के सख्त कदम उठाने होंगे।

ट्रंप का नोबेल दर्द

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप नोबेल शांति पुरस्कार के लिए इतना क्यों छटपटा रहे हैं? क्या उनके आग्रह पर ही पाकिस्तान ने उनके नाम की सिफारिश की है? क्या यह हास्यास्पद नहीं है कि जिस देश में आदर्श लोकतंत्र नहीं है और सेना ही सरकार को हांकती है, जिस देश को आतंकवाद की पनाहगाह माना जाता रहा है, जो देश पैसा लेकर किसी भी देश के खिलाफ जेहाद करता रहा हो, जिस देश का रक्षा मंत्री कबूल करता हो कि हमने 30 साल में आतंकियों को पाला-पोसा है, उस देश ने नोबेल शांति पुरस्कार राष्ट्रपति ट्रंप को देने की सिफारिश की है? क्या राष्ट्रपति ट्रंप ने शांति, स्थिरता, मानवता, सौहार्द के लिए अमूल्य, अतुलनीय प्रयास किए हैं? यदि अमेरिकी राष्ट्रपति खुद को नोबेल शांति पुरस्कार के योग्य मानते हैं, तो मध्य-पूर्व में ही, ईरान के इर्द-गिर्द, अमरीका के 16 बड़े सैन्य अड्डे क्यों हैं? करीब 60 एकड़ क्षेत्र में घातक, संहारक विमान और 51,000 से अधिक सैनिक क्यों तैनात हैं? क्या यह भी शांति के लिए बंदोबस्त किया गया है? कमोबेश अमेरिका की सीमाएं वहां से काफी दूर हैं। यह अमरीका का साम्राज्यवाद ही है। बुनियादी तौर पर अमेरिका हिंसक, युद्धोन्मादी, जनसंहारक देश है। राष्ट्रपति ट्रंप दावा कर रहे हैं कि उन्होंने रवांडा-कांगो के बीच समझौता करवा दिया है, जो सोमवार से प्रभावी हो जाएगा। मिस्र और इथियोपिया में शांति स्थापित कराई है। कोसोवो और सर्बिया के बीच युद्ध रुकवाया है। उन्होंने 15वीं बार यह दावा भी किया है कि भारत और पाकिस्तान के दरमियान हालिया संघर्ष को खत्म कराने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। पाकिस्तान ने भी अपनी सिफारिश में लिखा है कि भारत के साथ संघर्ष में राष्ट्रपति ट्रंप का हस्तक्षेप एक वास्तविक शांतिदूत के रूप में उनकी भूमिका और बातचीत के माध्यम से संघर्ष के समाधान के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यह पूरी तरह गलत प्रमाणपत्र है। भारत ने पाकिस्तान के साथ कब बातचीत की थी? सैन्य अफसरों का संवाद युद्धविराम के लिए महज औपचारिकता था। नोबेल पुरस्कार कमेटी को ऐसी छद्म और फर्जी सिफारिश करना ही अपराध है।

यदि राष्ट्रपति ट्रंप वाकई शांतिदूत हैं, तो फलस्तीन के गाजा में हमले अब भी जारी क्यों हैं? वह रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त क्यों नहीं करवा पाए? यह तो ट्रंप का मुख्य चुनावी मुद्दा था। इराक, सीरिया, लीबिया, लेबनान, यमन, अफगानिस्तान आदि देशों में अमेरिका की युद्धबाज के तौर पर और खुद राष्ट्रपति ट्रंप की क्या भूमिका रही है? मौजूदा इजरायल-ईरान युद्ध को ही लें। बीते 10 दिन से भीषण हमले जारी हैं। करीब 700 मौतें हो चुकी हैं। ईरान के 12 से अधिक सैन्य जनरल मार दिए गए हैं। परमाणु वैज्ञानिक भी मारे गए हैं। कितनी इमारतें और प्रतिष्ठान खंडहर कर दिए गए हैं, उनका डाटा अभी उपलब्ध नहीं है। राष्ट्रपति ट्रंप कहते हैं कि वह इजरायल को युद्ध छोड़ने को नहीं कहेंगे। यह कौनसा शांतिकर्म है? ट्रंप बार-बार बयान बदल रहे हैं। अमेरिका युद्ध में संलिप्त भी है और राष्ट्रपति ट्रंप ने दो सप्ताह के बाद कोई फैसला लेने की बात कही है। वह दावा करते रहे हैं कि ईरान परमाणु बम बना रहा है, जबकि उनकी सरकार में राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने कहा है कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम 2003 में ही बंद करा दिया गया था, लिहाजा ईरान परमाणु बम कैसे बना सकता है? ट्रंप ने उनके बयान को खारिज कर दिया, तो तुलसी को भी सफाई देनी पड़ी। यदि ट्रंप वाकई शांतिदूत हैं, तो उनका परमाणु बम से क्या लेना-देना? उनके प्रयास होने चाहिए कि युद्ध अविलंब खत्म हो, लेकिन अमेरिका की नीयत के मद्देनजर रूस और चीन को चेतावनी देनी पड़ रही है कि अमेरिका युद्ध में घुसने की कोशिश न करे। राष्ट्रपति ट्रंप का नोबेल पुरस्कार के लिए दर्द बार-बार बयां हो रहा है कि वह कितना, कुछ भी कर लें, लेकिन उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिलेगा। उनकी यह छटपटाहट इसलिए भी घनीभूत होती है, क्योंकि 2009 में तत्कालीन अमेरिका राष्ट्रपति बराक ओबामा को नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया था। अब यह तय होना है कि ट्रंप पात्र हैं या नहीं?

साहित्य सभा में चीरहरण

> इसके बाद नई धारा संस्था ने जो वक्तव्य जारी किया है वो भी लीपापोती करने वाला ही है। उत्पीड़क के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई के संबंध में अब तक चुप्पी ही पसरी हुई है। इन चुप्पियों ने ही पितृसत्तात्मकता को स्त्री को डुबोने का हथियार थमाया है। गौरतलब तो यह है कि पटना की घटना की सर्वाइवर किसी गांव-देहात या कस्बे की घूंघट या पल्लू ओढ़े बैठी रहने वाली कोई परंपरागत महिला नहीं, शहर की आधुनिक उच्च शिक्षित, बिंदास जीवन शैली जीने वाली हिन्दी-अंग्रेजी साहित्य की अध्येता है।

हरीश शिवनानी

पिछले सप्ताह पटना में हुई घटना से एक फिर यह साबित हो गया है कि स्त्री कहीं भी सुरक्षित नहीं है। और यह भी कि, वो स्त्री चाहे गांव-देहात की अशिक्षित हो, कस्बे-कूचे की अल्पशिक्षित या फिर नगर-महानगर की उच्च-शिक्षित। इस प्रकरण ने हिन्दी साहित्य के चरित्र को भी उजागर कर दिया है जो कथनी में बड़े-बड़े आदर्श, नैतिकता, स्त्री-मुक्ति, उसकी गरिमा,अस्मिता और स्त्री सशक्तीकरण पर लंबे लंबे अकादमिक विमर्श रच कर उसको सात-सात सलाम ठोकता है लेकिन व्यवहार में अपने शीर्षासन को लाख-लाख जतन करने पर भी नहीं छुपा पाता।

इक्कीसवीं सदी में पितृसत्तात्मकता और स्त्री सशक्तीकरण हमारे साहित्यिकों के बौद्धिक व्यायाम का प्रिय आसन रहा है। व्यवहार में इसके अर्थ-गाम्भीर्य को कितने पित्तरों या कितनी स्त्रियों को आत्मसात किया है, यह विचारणीय विषय है। इसे पटना-प्रकरण से भी समझा जा सकता है। पटना कांड में जिस 'नई धारा ' संस्था के राइटर्स रेजिडेंसी का प्रसंग बताया जा रहा है उसकी भूमिका भी सवालों के घेरे में है। यह बात अब सार्वजानिक वितान में आ ही चुकी है कि हिन्दी के एक वरिष्ठ कवि और लेखक ने रेजिडेंसी में एक युवा कवयित्री के साथ अभद्र,अश्लील, आपत्तिजनक हरकत की है। इसके बाद काफी बवाल मचा और अंत में कवयित्री के कड़े विरोध के बाद वरिष्ठ कवि को वहां से बेआबरू होकर रुखसत होना पड़ा। प्रकरण का क्लाइमेक्स यह है पटकथा की सर्वाइवर और उत्पीड़क के बीच चालीस बरस का फासला है। इस भदेस प्रकरण से हिन्दी साहित्य की दुनिया को भी उबाल दिया। जनवादी लेखक संघ, जन संस्कृति मंच ने कड़ी भर्त्सना की है तो राजस्थान प्रगतिशील लेखक संघ ने उसे संगठन से ही बाहर का रास्ता दिखा दिया। इन सबके बावजूद महत्वपूर्ण प्रश्न यह उठता है कि सामाजिक, नैतिक और सबसे बढ़कर विधिक रूप से अपराध की श्रेणी में आने वाले कृत्य के आरोपी के खिलाफ कानूनी कदम क्यों नहीं उठाए जा रहे? पुलिस में मामला दर्ज क्यों नहीं करवाया जा रहा है ? स्त्री-मुक्ति के डंडों से पितृसत्तात्मकता के खिलाफ ढोल पीटने वाली स्वयं कवयित्री और उसकी समर्थक स्त्रीवादी कवि-लेखक समाज उसके माफीनामे लिखने या रेजिडेंसी से निकल जाने पर ही क्यों समझौता कर बैठे?

इसके बाद नई धारा संस्था ने जो वक्तव्य जारी किया है वो भी लीपापोती करने वाला ही है। उत्पीड़क के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई के संबंध में अब तक चुप्पी ही पसरी हुई है। इन चुप्पियों ने ही पितृसत्तात्मकता को स्त्री को डुबोने का हथियार थमाया है। गौरतलब तो यह है कि पटना की घटना की सर्वाइवर किसी गांव-देहात या कस्बे की घूंघट या पल्लू ओढ़े बैठी रहने वाली कोई परंपरागत महिला नहीं, शहर की आधुनिक उच्च शिक्षित, बिंदास जीवन शैली जीने वाली हिन्दी-अंग्रेजी साहित्य की अध्येता है। इस अभद्र प्रकरण में इस चुप्पी का समर्थन करने वाले-वालियों के भी अपने तर्क हैं। सोशल कंडीशनिंग की तरह बड़े जतन से पनपाए गए कुछ प्रलोभन, कुछ भय भी स्त्री को कानूनी कदम उठाने से रोकते हैं।

दरअसल हिन्दी साहित्य और समाज की संरचना विक्टिम ब्लेमिंग नहीं, सत्ता के अनुरूप रंग बदलती है। बरसों से क्रांति की अलख जगाने वाले, व्यवस्था को जड़ से उखाड़ फेंकने का फतवा जारी करने वाले क्रांतिकारी हिन्दी लेखक ऐसे किसी मसले पर एकजुट नहीं हो सकते। ऐसे समय में क्रांति की मशाल बुझ जाती है। यह कौन-सा भय है जो गलत को गलत, दुराचारी को दुराचारी कहने से इन क्रांतिकारियों को रोकता है ' ऐसे क्रांतिकारी संगठन मंचों पर, सोशल मीडिया पर दम तो भरते हैं सत्ता से, सरकार से लड़ने का, व्यवस्था उखाड़ फेंकने का, लेकिन अपराधी को सरेआम बेनकाब करने का वक्त आते ही चुप्पी मारकर पीछे खिसक जाते हैं।

असली क्रांति तो यह है कि पीड़िता को मुखर होकर पुलिस में मामला दर्ज करवा कर कथित कवि को अदालत तक घसीटना चाहिए। विक्टिम ब्लेमिंग अब गुजरे जमाने की बात हो चुकी है। इस प्रसंग ने समाज और साहित्यिक जगत को आत्म-आलोड़न और आत्म चिंतन का एक अवसर दिया है। ऐसे किसी भी मामले को अंजाम तक पहुंचाना भी एक सामाजिक, साहित्यिक जवाबदेही मानी जानी चाहिए। कोई भी मामला किसी सार्वजनिक वितान पर आकर व्यक्तिगत नहीं, सार्वजनिक हो जाता है उसके बाद यह मामला आपसी नहीं रह जाता। यह अवश्य है कि प्राथमिकता में व्यक्तिगत निजता की सुरक्षा का पूरा ध्यान हो।

हमारे बौद्धिक जगत की विसंगति यह भी कम नहीं कि हिन्दी के साहित्यिक घेरे में जाति और रंग भेद को तो बेहद गंभीर माना जाता है लेकिन स्त्री विद्वेष या यौन हिंसा, यौन आक्रमण को हल्के में ले लिया जाता है, उसे अपने अपने टोले के नफे-नुकसान,अपने राजनीतिक हितों,भविष्य की ह्यसंभावनाओंह्ण के मुताबिक तौला जाता है। उसे सहन ही नहीं किया जाता बल्कि ऐसा करने वालों को पुरस्कृत भी किया जाता है, सम्मानित किया जाता है, उसके ह्यऑराह्ण उसके ह्यपावर स्ट्रक्चरह्ण को मजबूत किया जाता है। और प्रकारांतर से ऐसा परिवेश जिसमें उत्पीड़न आसान और सुरक्षित हो जाता है। अगर इस उत्पीड़क व्यवस्था से मुक्ति पानी है तो यह माहौल अब बदलना होगा। हो गई पीर पर्वत-सी, अब पिघलनी चाहिए, अब आंचल को परचम बना ही लेना चाहिए। यह वक्त चुप्पी साधने का नहीं, मुखर हो कर दहाड़ने का वक्त है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सज्जन और सफल होना काफी नहीं, सामाजिक-राष्ट्रीय चरित्र भी चाहिए

> सामाजिक-राष्ट्रीय चरित्र की झलक भी अपने आचरण में दिखनी चाहिए। देश के वनवासी क्षेत्र किन चुनौतियों के कारण आज सम्पूर्ण देश के लिए खतरा बन गए हैं, इस पर अब कोई बहस बाकी नहीं। और सचिन तेंदुलकर ने राजनीति से दूर इससे निपटने में अपनी भूमिका निश्चित करी। माई देशी फाउंडेशन के साथ मिलकर उनकी संस्था सचिन फाउंडेशन जनजाति बाहुल्य दंतेवाड़ा (बस्तर) से लगे गांवों में 50 नए खेल-मैदान तैयार करने जा रही है।

राजेश पाठक

देश और धर्म की रक्षा आचरण से भी होती है। समाज और जीवन को दोषरहित-अभाव रहित बनाने में योगदान से भी होती है, वो भले किसी रूप में हो। और सचिन तेंदुलकर ने अपने स्वयं के उदाहरण से दिखाया कि सज्जन और सफल होना काफी नहीं, सामाजिक-राष्ट्रीय चरित्र की झलक भी अपने आचरण में दिखनी चाहिए। देश के वनवासी क्षेत्र किन चुनौतियों के कारण आज सम्पूर्ण देश के लिए खतरा बन गए हैं, इस पर अब कोई बहस बाकी नहीं। और सचिन तेंदुलकर ने राजनीति से दूर इससे निपटने में अपनी भूमिका निश्चित करी। माई देशी फाउंडेशन के साथ मिलकर उनकी संस्था सचिन फाउंडेशन जनजाति बाहुल्य दंतेवाड़ा (बस्तर) से लगे गांवों में 50 नए खेल-मैदान तैयार करने जा रही है, जबकि 20 पहले ही पूरे हो चुके हैं। इस योजना के अंतर्गत 13 विभिन्न खेलों की सुविधाएं उपलब्ध होंगी। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह की इस पहल ने बच्चों में उमंग की लहर पैदा कर दी है। देश के सूदूर वन-क्षेत्र के जनजाति बंधुओं को माओवाद के चंगुल से निकाल सामाजिक-जीवन की मुख्यधारा में लाने के लिए अनेक योजनाओं पर काम चल रहा है, उनमें से एक यहां के बच्चों को खेलकूद से जोड़ना है।

अमित शाह ने यूं ही नहीं देश को माओवाद से सदा के लिए मुक्त करने का संकल्प लिया है। कुछ वर्ष पूर्व जनजाति बाहुल्य नागालैंड के तत्कालीन गवर्नर ने भारत सरकार को सचेत करते हुए एक रिपोर्ट भेजी, जो कि इन क्षेत्रों की अंदर की असली कहानी बयान करती है । इस रिपोर्ट में उल्लेख था, ये क्षेत्र खनिज संपदा से समृद्ध हैं, जहां देश का 98.5 फीसद क्रोमाइट, 77 फीसद कोबाल्ट, 95 फीसद निकिल और अन्य खनिज पाए जाते हैं। विदेश पोषित माओवादी और अन्य देशविरोधी तत्व नहीं चाहते कि इनके उत्खनन के लिए सरकारी एजेंसियां यहां फटकें भी। इसलिये इस क्षेत्र को सदैव हिंसा की आग में झोंके रखना उनके लिए परम कर्तव्य के पालन करने जैसा है।

2007 में देश की एक ख्याति पत्रिका ने अपनी रिपोर्ट से देश को चौंका दिया था कि कैसे चर्च , माओवादी और बहुराष्ट्रीय कम्पनियां देश की संपदा को हजम करने में जुटी हैं। आगे चल कर धर्मांतरण और इस लूट के विरुद्ध स्थानीय जनजाति-समाज को सेवा-शिक्षा के कार्य से जागृत करने की कीमत इसी समाज के एक हिन्दू संन्यासी लक्ष्मणानन्द सरस्वती को अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। उन पर लगातार 10 हमले हुए और ये तब जाकर रुके जब उनकी अपने चार अन्य शिष्यों के साथ जन्माष्टमी वर्ष 2008 में हत्या कर दी गई। हत्या की साजिश ईसाई गतिविधियों के केंद्र ओडिशा के कंधमाल जिले में रची गई थी। जांच में ईसाई प्रचारक और नक्सल-कार्यकर्ता कुल 8 लोग शामिल पाए गए, जिन्हें कोर्ट ने सजा सुनाई।

धर्म आधारित सदाचरण के आधार पर खान-पान-स्नान आदि में सीमित कर केवल स्वयं के शरीर को दोष रहित कर लेने में परमार्थ को देखना अधूरे निष्कर्ष में आबद्ध कर लेने जाने जैसा है। संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत कहते हैं, धर्म केवल पूजा गृह नहीं। धर्म केवल भोजन गृह भी नहीं। हमारी गलती ये हो गई पिछले कुछ वर्षों में हमने धर्म को अपने पूजा घर में , भोजन घर में बंदिश कर दिया। धर्म का स्पष्ट वर्णन हमारी परंपरा में है । धर्म के चार पैर हैं: सत्य, करुणा, शुचिता , तपस। जिसको भी आप धर्म मानते हो उसकी चौखट में बैठना चाहिए। इसके बाहर है तो वो अधर्म है।

जम्मू का चर्चित किस्सा है। एक हरिजन बंधु ने चर्च में शादी की, क्योंकि पादरी उसके घर पर आता-जाता था। फिर मंदिर में दिक्कतें भी आ रहीं थी। और वो फिर भी हिन्दू बना हुआ है। ये ऐसा ही न चलते रहे, आज देश में ऐसे अनेक वैदिक संस्थान संचालित हैं , जिसमें सभी जाति के जिज्ञासु पुरोहित कर्म का प्रशिक्षण पाते हैं। विश्व हिन्दू परिषद ने अनुसूचित जाति- जनजाति के 5000 से ऊपर पुरोहितों को प्रशिक्षित किया है , जिनमें तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश से 2000 से भी अधिक हैं।. आज ये अपने-अपने ग्रामों-बस्तियों में पौरोहित्य कर्म को संपन्न कर धर्मान्तरण को रोकने में अपना योगदान दे रहें हैं। इस क्षेत्र में मार्ग प्रशस्त करने वाली सबसे उलेखनीय घटना संघ के प्रचारक श्री माधवन की पहल पर कांची कामकोटि के दिवंगत शंकराचार्य श्री जयेंद्र सरस्वती द्वारा की गई। श्री शंकराचार्य ने गुरुवायुर में चातुर्मास के समय विभिन्न जातियों के 29 लोगों को पुरोहिताई की शिक्षा दी व प्रशिक्षण वर्ग के आखिर दिन 4 हजार लोगों की जनसभा में सबके सामने उन्हें रुद्राक्ष की माला सहित कांची कामकोटि पीठ की अधिकृत मुद्रा से अंकित प्रमाणपत्र प्रदान किया। अब तो इस प्रकार के काम देश के विभिन्न स्थानों में धर्मरक्षा न्यास के माध्यम से निरंतर होते रहते हैं।

शेर भले अपनी ताकत के बल पर इकट्ठे न चला करते हों। लेकिन कई बार जंगली सूअर मिलकर उसका भी शिकार कर लेते हैं। जात-पात में बंटकर अकेले शेर बने रहने की कीमत हमने पाकिस्तान, बांग्लादेश और पिछले दिनों मुर्शिदाबाद में चुकाई है। अच्छे काम और जरूरी काम में भेद को समझ कर भी इस बात को समझा जा सकता है। अकेले व्यक्ति का सक्षम होना या पौरुष युक्त हो जाना अच्छा है। लेकिन काफी नहीं, सम्पूर्ण समाज के द्वारा संगठित रूप से इन गुणों को अर्जित करने की दिशा में बढ़े कदम ही देश के उज्ज्वल भविष्य को सुनिश्चित करते हैं। इस जरूरी काम के कई प्रकार हो सकते हैं। लेकिन इसका एक प्रकार क्या हो सकता है, सचिन तेंदुलकर ने अपने इस कदम से देश को ये बताया है।

देशभक्ति कोई पदवी नहीं, ये सामान्य गुण की तरह एक नागरिक के अंदर अपेक्षित है। फिर ये बोलकर नहीं, कर के दिखाने वाला काम है। और ये कोई ऐसा काम भी नहीं जो केवल सीमा पर खड़े होकर ही सम्पन्न हो। देश का संकट , मेरे परिवार का संकट, ये समाज मेरा , मैं इस समाज का इस एकत्व की भावना के साथ जीवनयापन, हिन्दू के नाते विचार, साथ ही आचरण ही देशभक्ति की सर्वोत्तम अभिव्यक्ति है। कुछ और नहीं, सदियों से मिले संचित अनुभव का ये सदा स्मरण में रखने वाला निष्कर्ष है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

जगन्नाथ भगवान की रथ यात्रा में क्यों शामिल किए जाते हैं हाथी

ओडिशा के पुरी सहित देश भर में आज भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा पूरे उत्साह के साथ निकाली जा रही है। हिंदू धर्म में इस यात्रा का अत्यधिक महत्व है, और इसी कारण इसमें शामिल हर वस्तु या जीव का सीधा संबंध भगवान जगन्नाथ से माना जाता है, जिससे वे अपने आप में खास बन जाते हैं। इन्हीं में से एक है हाथी, जिसे हिंदू धर्म में गजानन के नाम से जाना जाता है।

जगन्नाथ रथ यात्रा में गजानन का महत्व

जगन्नाथ रथ यात्रा में गजानन (हाथी) का महत्व कई मायनों में देखा जाता है, जो पौराणिक कथाओं और पारंपरिक रीति-रिवाजों से जुड़ा है भगवान जगन्नाथ का गजानन वेशः रथ यात्रा से पहले, ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन भगवान जगन्नाथ 'स्नान यात्रा' करते हैं। मान्यता है कि इस स्नान के बाद वे अस्वस्थ हो जाते हैं और 15 दिनों के लिए एकांतवास (अनवसर) में चले जाते हैं। इसी दौरान वे 'गजानन वेश' या 'गणेश वेश' धारण करते हैं। इसके पीछे कई कथाएं प्रचलित हैं।

1) गणपति भट्ट की भक्तिः एक बार भगवान गणेश के परम भक्त गणपति भट्ट दक्षिण भारत से पुरी में भगवान जगन्नाथ के दर्शन करने आए। वे भगवान जगन्नाथ में अपने गणेश जी को देखना चाहते थे। भक्तों की इच्छा पूरी करने वाले भगवान जगन्नाथ ने उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर गजानन वेश धारण किया, जिससे गणपति भट्ट भाव-विभोर हो गए।

यह भगवान की भक्तवत्सलता को दशार्ता है।

2) गणेश चतुर्थी से संबंधः कुछ मान्यताओं के अनुसार, एक बार रथ यात्रा की तिथि पर ही गणेश चतुर्थी पड़ गई थी। चूंकि गणेश जी प्रथम पूज्य हैं और सभी विघ्नों को दूर करते हैं, उनकी उपेक्षा से बचने और रथ यात्रा को निर्विघ्न संपन्न करने के लिए भगवान जगन्नाथ ने गजानन वेश धारण किया। पुरी में आज भी इस घटना की स्मृति में भगवान जगन्नाथ का गणेश वेश पर्व मनाया जाता है। आज से हुई भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा की शुरूआत, जानिए कुछ रोचक बातें

रथ यात्रा में हाथियों की भूमिका

रथ यात्रा के दौरान भव्य जुलूस में हाथी भी शामिल होते हैं। ये हाथी शोभायात्रा का हिस्सा होते हैं और अपनी विशालता व गरिमा से यात्रा को और अधिक भव्य बनाते हैं। जगन्नाथ रथ यात्रा में गजानन का महत्व न केवल भगवान जगन्नाथ द्वारा धारण किए गए विशेष वेश से है जो उनकी भक्तवत्सलता और विघ्नहर्ता स्वरूप को दशार्ता है, बल्कि रथ यात्रा की शोभा बढ़ाने वाले हाथियों की पारंपरिक उपस्थिति से भी है।

सेहत

चाय, बेरीज, डार्क चॉकलेट और सेब से बढ़ाएं अपनी उम्र

चाय, बेरी, डार्क चॉकलेट और सेब जैसे फ्लेवोनॉयड से भरपूर खाद्य पदार्थ खाने से आपको गंभीर स्वास्थ्य स्थितियों के जोखिम को कम करके लंबे समय तक जीने में मदद मिल सकती है। नेचर फूड में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन के अनुसार, फ्लेवोनॉयड युक्त खाद्य पदार्थों की एक विविध श्रेणी का सेवन करने से टाइप 2 मधुमेह, हृदय रोग, कैंसर और तंत्रिका संबंधी बीमारियों के विकास का जोखिम कम हो सकता है। इस अध्ययन का नेतृत्व क्वीन्स यूनिवर्सिटी बेलफास्ट, एडिथ कोवान यूनिवर्सिटी पर्थ (ईसीयू), तथा मेडिकल यूनिवर्सिटी ऑफ वियना और यूनिवर्सिटेट विएन के शोधकताओं की एक टीम ने किया। निष्कर्षों से पता चलता है कि आपके आहार में फ्लेवोनोइड्स की विविधता बढ़ाने से टाइप 2 मधुमेह, हृदय रोग (सीवीडी), कैंसर और तंत्रिका संबंधी रोग जैसी स्वास्थ्य स्थितियों के विकास को रोकने में मदद मिल सकती है।

अध्ययन के मुख्य निष्कर्ष

मृत्यु दर में कमीः लगभग दो कप चाय के बराबर 500 मिलीग्राम फ्लेवोनॉयड का दैनिक सेवन सभी कारणों से होने वाली मृत्यु दर के 16% कम जोखिम से जुड़ा था।

हृदय स्वास्थ्यः फ्लेवोनॉयड के सेवन से हृदय रोग, टाइप 2 मधुमेह और श्वसन रोग का जोखिम 10% कम हो गया।

विविधता मायने रखती हैः एक ही स्रोत पर निर्भर रहने के बजाय, विभिन्न प्रकार के फ्लेवोनॉयड युक्त खाद्य पदार्थ खाने से स्वास्थ्य लाभ अधिक हो सकते हैं।

फ्लेवोनोइड्स से भरपूर खाद्य पदार्थ

चायः विशेष रूप से काली चाय स्वस्थ उम्र बढ़ने को बढ़ावा देने के लिए जानी जाती है।

जामुनः ब्लूबेरी, स्ट्रॉबेरी और अन्य जामुन फ्लेवोनोइड्स और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं। डार्क चॉकलेटः डार्क चॉकलेट में फ्लेवोनोइड्स होते हैं, जो रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं।

सेबः सेब फ्लेवोनोइड्स और फाइबर का एक अच्छा स्रोत हैं।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**

email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

मुखिया प्रतिनिधि पर लगा दुष्कर्म सहित गर्भपात कराने का आरोप

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना क्षेत्र के मध्य पियारपुर पंचायत के मुखिया पति मासिउर रहमान उर्फ भोदू पर एक महिला ने शादी का झांसा देकर यौन शोषण, जबरन गर्भपात कराने और बाद में शादी से इनकार करने का संगीन आरोप लगाया है। पीड़िता ने राधानगर थाना में आवेदन देकर मुखिया प्रतिनिधि के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित महिला ने राधानगर थाना को दिए आवेदन में बताया है कि बीते एक साल पहले 25 जून 2024 को मुखिया पति मासिउर रहमान उर्फ भोदू ने उनसे शादी का झूठा वादा कर यौन संबंध बनाए। महिला का आरोप है कि वह पहले से शादीशुदा थीं, लेकिन मुखिया पति ने उन्हें शादी का प्रलोभन देकर षड्यंत्र रचकर उनके पति से तलाक दिलवा दिया। इसके बाद भी मासिउर रहमान उर्फ भोदू लगातार घरों और होटलों में ले जाकर कई बार यौन संबंध बनाते रहे। यौन संबंध बनाए जाने के कारण महिला सात माह की गर्भवती हो गईं। पीड़िता का आरोप है कि इसके बाद मुखिया पति ने समाज में बदनामी का प्रलोभन देकर उनका जबरन गर्भपात करा दिया। आवेदन में बताया गया है कि जब पीड़िता ने शादी करने की बात कही, तो बीते 28 फरवरी 2025 को राजमहल के नयाबाजार स्थित एक घर में आरोपी ने उनसे शादी तो कर ली, लेकिन सार्वजनिक रूप से उन्हें अपनी पत्नी स्वीकार नहीं किया। महिला ने आगे बताया कि बीते 22 जून की रात करीब दस बजे जब मुखिया पति मासिउर उर्फ भोदू उनके घर के सामने से गुजर रहे थे, तो वह उनके साथ अपने घर जाना चाहती थीं। इस पर आरोपी ने इनकार कर दिया और उन्हें धक्का-मुक्की कर भाग गया तथा उन्हें अपनी पत्नी मानने से साफ इनकार कर दिया। इन सब से बाध्य होकर, पीड़ित महिला ने बीते 30 जून को राधानगर थाना में आवेदन दिया। हालांकि, शिकायत दर्ज होने के चार दिन बीत जाने के बाद भी अब तक न तो कोई प्राथमिकी दर्ज हुई है और न ही पीड़िता को कोई ठोस आश्वासन मिला है। न्याय की आस में भटक रही पीड़ित महिला अब राजमहल के एसडीपीओ और पुलिस अधीक्षक से मिलकर न्याय की गुहार लगा रही हैं। जबकि इस संबंध में मुखिया पति मासिउर रहमान उर्फ भोदू ने अपने ऊपर लगाए गए सभी आरोपों को निराधार और झूठा बताया है।वहीं राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने कहा है कि उन्हें आवेदन प्राप्त हुआ है और आवेदन पर कार्रवाई की जाएगी।

डीसी ने की जेएसएलपीएस की समीक्षा

दुमका : जिले केउपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में बुधवार को झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसायटी (जेएसएलपीएस) के अंतर्गत संचालित योजनाओं की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने योजनाओं को अपेक्षित गति देने एवं अधिकतम लाभुकों तक पहुँच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान जिला परियोजना प्रबंधक निशांत एक्का ने जिले के सभी प्रखंडों में संचालित कार्यक्रमों की अद्यतन रिपोर्ट प्रस्तुत की। उपायुक्त ने भारत सरकार के छडडडर पोर्टल पर डाटा एंट्री कार्य को शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया। साथ ही, उन्होंने प्रत्येक पंचायत में परिस्थिति के अनुसार एक-एक उद्यम स्थापित करने की योजना बनाने को कहा।

दीदी का ढाबा को अन्य उपयुक्त स्थलों पर विस्तारित करने और दीदी की दुकानों को पूर्ण रूप से सक्रिय रखने पर भी बल दिया गया। दीदी बाड़ी योजना, दीदी बगिया, बागवानी सखी, लखपति किसान योजना और पशुपालन आधारित आजीविका कार्यक्रमों की भी विस्तार से समीक्षा की गई।

महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना , वन धन विकास केंद्र, फूलो-झानो आशीर्वाद योजना तथा दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल विकास योजना जैसे कार्यक्रमों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने कहा कि सभी योजनाओं की जानकारी समुदाय तक पहुँचे और अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित किया जाए।

कार्य की समीक्षा के क्रम में शिकारीपाड़ा प्रखंड के प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक का कार्य असंतोषजनक पाए जाने पर उनकी सैलरी अगले आदेश तक रोकने का निर्देश दिया गया। वहीं, रानीश्वर एवं काठीकुंड प्रखंड के प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधकों को कार्य में सुधार लाने हेतु निर्देशित किया गया है।

इस बैठक में उप विकास आयुक्त अनिकेत साचन, प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी नाजिश ओमर अंसारी, जिला प्रबंधक एवं प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक, उपस्थित थे।

सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता का शानदार आगाज

साहिबगंज/उधवा: खेल और शिक्षा के मेल को बढ़ावा देते हुए मोहनपुर पंचायत के चौकीढ़ाव खरदांग मैदान में प्रखंड स्तरीय सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता 2025-26 का आयोजन किया गया।प्रतियोगिता का शुभारंभ बीडीओ सह सीओ जयंत कुमार तिवारी, प्रखंड प्रमुख स्टेनशिला सोरेन, शिक्षा विभाग के बीपीओ अटल बिहारी भगत और मनरेगा बीपीओ प्रियरंजन कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर बीडीओ सह सीओ जयंत कुमार तिवारी ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ खेलों का जीवन में अत्यंत महत्व है। उन्होंने कहा कि खेल प्रतियोगिताएँ बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए बेहद जरूरी हैं। इस फुटबॉल प्रतियोगिता में कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय उधवा, उत्क्रमित उच्च विद्यालय अतापुर, प्लस टू उर्दू जोंका, प्लस टू उच्च विद्यालय राधानगर, उत्क्रमित उच्च विद्यालय बेगमगंज सहित कई अन्य विद्यालयों के कक्षा छठी से 12वीं तक के छात्र-छात्राओं ने पूरे जोश के साथ भाग लिया। शिक्षा विभाग के बीपीओ अटल बिहारी भगत ने प्रतियोगिता के परिणामों की जानकारी देते हुए बताया अंडर-17 बालक वर्ग उत्क्रमित उच्च विद्यालय अतापुर ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि उत्क्रमित उच्च विद्यालय बेगमगंज द्वितीय स्थान पर रहा।अंडर 17 बालिका वर्ग कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय उधवा की टीम ने जीत दर्ज की। अंडर-15 बालक वर्ग: उत्क्रमित उच्च विद्यालय अतापुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, और उत्क्रमित मध्य विद्यालय चौकीढ़ाव की टीम द्वितीय स्थान पर रही। प्रतियोगिता के अंत में, विजेता और उपविजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया, जिससे उनका मनोबल और बढ़ा। इस दौरान बीआरपी बैद्यनाथ ठाकुर, शिक्षक पंकज रविदास, अरुण कुमार दास, दिवाकर दुबे, रीना रोजनी टुडू।सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति और खेलप्रेमी मौजूद थे।

मेला में श्रद्धालुओं को बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था उपलब्ध कराना हम सभी की प्राथमिकता :उपायुक्त

संवाददाता

देवघर : राजकीय श्रावणी मेला, 2025 के सफल संचालन को लेकर उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में बुधवार को निजी अस्पताल प्रबंधन एवं चिकित्सकों के साथ बैठक का आयोजन समाहरणालय सभागार में आयोजित किया गया। इस दौरान उपायुक्त द्वारा जानकारी दी गयी कि विश्व प्रसिद्ध राजकीय श्रावणी मेला 11 जुलाई से प्रारम्भ होने जा रहा है। ऐसे में श्रावणी मेला-2025 के अवसर पर बाबा बैद्यनाथ की नगरी देवघर आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर अनुभव के साथ बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था मुहैया कराने के उद्देश्य से निजी अस्पताल प्रबंधन और चिकित्सकों के साथ विभिन्न बिंदुओं पर विचार विमर्श करते सभी के सुझावों से अवगत हुए। साथ ही उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को सुझावों पर आवश्यक कारवाई करने का निर्देश दिया।

इसके अलावा बैठक के दौरान उपायुक्त श्री लकड़ा द्वारा जानकारी दी गई कि राजकीय श्रावणी मेला के दौरान 190 डॉक्टर, 319 पैरामेडिकल स्टाफ, 41 एम्बुलेंस एवं 32 स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण कराया गया हैं। ऐसे में मेला क्षेत्र में किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने में आप सभी का सहयोग आपेक्षित है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। आगे आपसी समन्वय हेतु व्हाट्सऐप ग्रुप बनाने के अलावा सभी निजी अस्पताल प्रबंधन, चिकित्सकों एवं आईएमए ने राजकीय श्रावणी मेला के दौरान पूर्ण सहयोग की बात कही। बैठक के दौरान उपायुक्त ने कहा कि बाबा बैद्यनाथ की नगरी देवघर में एक माह तक चलने वाले राजकीय श्रावणी मेला की विश्व स्तर पर अपनी पहचान है। ऐसे में बाहर से आनेवाले श्रद्धालुओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देना हमारा नैतिक दायित्व है, ताकि कांवरिया यहां से बेहतर अनुभव लेकर जायें।

मौके पर सिविल सर्जन डॉ युगल किशोर चौधरी, विभिन्न निजी अस्पताल के संचालक, चिकित्सक, आईएमए के प्रतिनिधि, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी, डीएमएफटी की टीम आदि उपस्थित थे।

शहीद के समाधि में पुष्प चढ़ाकर श्रद्धा सुमन अर्पित करके भावविनी श्रद्धांजलि देकर किया नमन

संवाददाता

साहिबगंज : जम्मू कश्मीर में 2 जुलाई 2020 को आतंकियों से लोहा लेते हुए आतंकियों को मारकर वीरगति को प्राप्त हुए शौर्य चक्र से सम्मानित शहीद कुलदीप उरांव का बुधवार को पांचवां पुण्यतिथि मनाया गया। जैप09 परिसर समीप शहीद कुलदीप उरांव के समाधि स्थल में राजमहल पूर्व विधायक अनंत ओझा, डीएसपी मुख्यालय विजय कुशवाहा, सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र जमशेदपुर के सूबेदार मेजर रविशंकर, जैप09 के अधिकारी, शहीद के परिजनों व गणमान्य लोगों, सीआरपीएफ जवानों ने बारी बारी से शहीद के समाधि में पुष्प चढ़ाकर श्रद्धा सुमन अर्पित करके भावविनी श्रद्धांजलि देकर नमन किया। वही पूर्व विधायक सहित अन्य ने शहीद के पिता पूर्व वार्ड पार्षद घनश्याम उरांव व उनके आश्रित को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। शहीद के आश्रितों का हाल चाल जाना। शहीद के पिता ने कहा कि पांच वर्ष बेटे को शहीद होने से हुआ, अब तक शहीद पुत्र के प्रतिमा लगाने के लिए जिला प्रशासन ने समाहरणालय समीप चिन्हित कर-

के दिए गए स्थल को नहीं दिया है। वही पूर्व विधायक ने कहा कि हम प्रयास करेंगे कि शहीद कुलदीप उरांव का भी प्रतिमा जल्द ही स्थापित हो। वही ग्रुप केंद्र जमशेदपुर के सूबेदार मेजर रविशंकर ने बताया कि 2 जुलाई 2020 को श्रीनगर में वैली क्विक एक्शन टीम के सदस्य के रूप में तैनात शहीद कुलदीप उरांव ने अपनी अदम्य वीरता का परिचय दिया। उस दिन रात 21:45 बजे श्रीनगर में एक मकान में आतंकवादियों के छिपे होने की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए वैली क्विक एक्शन टीम ने क्षेत्र को घेर लिया। आतंकवादियों द्वारा अंधाधुंध गोलीबारी शुरू की गई, जिसमें एक गोली शहीद कुलदीप उरांव को लगी। इसके बावजूद, उन्होंने अदम्य साहस और बहादुरी का परिचय देते हुए आतंकवादी को ढेर कर दिया। गंभीर रूप से घायल होने के बाद उन्हें 92 बेस हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने मातृभूमि के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दे दिया। शहीद कुलदीप उरांव का परिवार पूरे सीआरपीएफ का परिवार है। हम प्रतिवर्ष उनकी पुण्यतिथि पर उनके घर श्रद्धांजलि अर्पित करने आएंगे और उनके परिवार का हरसंभव ख्याल रखेंगे। शहीद कुलदीप उरांव की वीरता पर राष्ट्रपति उन्हें मरणोपरांत शौर्य चक्र से सम्मानित किया। शहीद कुलदीप का बलिदान हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत है। उनका योगदान देश की सुरक्षा और एकता के लिए हमेशा याद किया जाएगा। मौके पर भरत यादव, पूर्व नगर परिषद उपाध्यक्ष रामानंद साह, सच्चिदानंद मिश्र, अशोक यादव सहित कई गणमान्य थे।

जिला स्तर पर मास्टर ट्रेनर्स का दो दिवसीय गैर आवासीय प्रशिक्षण प्रारंभ

साहिबगंज : विद्यालय प्रबंधन समिति से जुड़े सदस्यों के प्रशिक्षण हेतु दो दिवसीय गैर आवासीय जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ सिद्धो कान्हू सभागार में हुआ।कार्यक्रम का उद्घाटन जिला शिक्षा पदाधिकारी डॉ. दुर्गा नन्द झा जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष कुमारी डॉली संजय कुमार तिवारी एवं अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर विधिवत रूप से किया गया।

प्रशिक्षण का उद्देश्य विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों में शैक्षणिक जागरूकता उत्तरदायित्व बोध तथा विद्यालय के प्रति ह्यस्वामित्व भावनाह्न को विकसित करना है। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को विद्यालय विकास योजना निधियों के उपयोग समुदाय की भागीदारी छात्रों की शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार और विद्यालय स्तर पर पारदर्शिता व जवाबदेही सुनिश्चित करने से संबंधित विषयों पर विस्तार से जानकारी दी जा रही है। मौके पर वक्ताओं ने कहा कि सकारात्मक विचार और विकासपरक कार्यों के माध्यम से विद्यालयों में नवचेतना लाई जा सकती है। समिति के सदस्य विद्यालय के स्वाभाविक अभिभावक के रूप में कार्य करें और विद्यालय की समस्याओं को पहचानते हुए समाधान हेतु पहल करें। यह बताया गया। कि राज्य व केंद्र सरकार द्वारा विद्यालयों के उन्नयन के लिए विभिन्न योजनाओं के तहत सुविधाएं और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।जिसका उद्देश्य छात्र हित में समुचित विकास सुनिश्चित करना है। समिति के सदस्यों को यह सुनिश्चित करना है। कि इन संसाधनों का सही दिशा में सदुपयोग हो।लोक भागीदारी और सामुदायिक सशक्तिकरण से ही विद्यालयों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जा सकता है। प्रशिक्षण में बताया गया कि एस एमसी सदस्यों को उनके कर्तव्य, दायित्व और अधिकारों की स्पष्ट जानकारी देना इस कार्यक्रम का प्रमुख लक्ष्य है। यह दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम समिति सदस्यों को व्यवहारिक एवं प्रशासनिक समझ प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मोहर्रम आपसी भाईचारा और अमन-शांति का प्रतीक है : राम सुमन

संवाददाता

साहिबगंज/तीनपहाड़ : तीनपहाड़ थाना परिसर में मोहर्रम पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई।जिसकी अध्यक्षता तालझारी अंचल अधिकारी राम सुमन प्रशाद व राजमहल पुलिस निरीक्षक श्यामलाल हादसा ने की।बैठक में शांति समिति के सभी सदस्य,स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं समाजसेवी मौजूद रहे।वही बैठक में मोहर्रम पर्व के अवसर पर सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने,सुरक्षा की इंतजाम,अखाड़ा जुलूस की रूट व्यवस्था की जानकारी ली गई।वही थाना प्रभारी मृत्युंजय कुमार पांडे ने सभी समुदायों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि मोहर्रम का पर्व आपसी भाईचारा और अमन-शांति का प्रतीक है,इसे शांतिपूर्ण तरीके से मनाना हम सबकी जिम्मेदारी है।साथ ही उन्होंने आगे कहा कि किसी भी तरह की अफवाहों से बचा जाए और पुलिस प्रशासन के निदेर्शों का पालन करते हुए पर्व को मनाएं।अखाड़ा जुलूस के दरमियान पुलिस प्रशासन के तरफ से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे.बैठैक में नाजिम अंसारी उर्फ लड्डु,अकील हसन,अनील सरकार,मनोज यादव,रामजन्म सिंह,एम.एस बैचन,मुर्शीद राजा,रामदर्शन सिंह जगमोहन सिंह वकार अहमद,अफताब अंसारी,श्याम यादव,चंदन श्रीवास्तव,अमरेंद्र सिंह,वीरेंद्र यादव, अजय कुमार सोनी,पिंटू भगत,रमाकांत मंडल,अब्दुल्लाह अंसारी,जमीर अंसारी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

अवैध हथियार के साथ एक युवक को गिरफ्तार कर भेजा जेल

साहिबगंज/तीनपहाड : तीनपहाड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत हाथीगढ़ गाँव के एक युवक के पास से पुलिस ने अवैध देसी कट्टा के साथ दो जिंदा कारतूस बरामद किया।घटना मंगलवार की संध्या 4 बजे के लगभग की बताई जा रही है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर युवक को धर-दबोचा। वही बुधवार के दिन राजमहल एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी अपने कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर कहा कि साहिबगंज पुलिस कप्तान को मंगलवार की संध्या गुप्त सूचना मिली कि तीनपहाड़ थाना क्षेत्र में हाथीगढ़ गांव का एक युवक के पास अवैध देशी कट्टा से युवक अपने गाँव के आसपास के लोगों में दबदबा बनाने का कोशिश एवं भय फैलाने का माहौल बनाना चाहता था। पुलिस कप्तान को सूचना मिलते ही राजमहल एसडीपीओ को आदेश दिया गया की युवक की गिरफ्तारी को लेकर एसडीपीओ के नेतृत्व मे एक टीम की गठन की गई।छापेमारी टीम ने संध्या लगभग 5 बजकर 30 मिनट मे हाथीगढ़ गांव के सुजन मुखर्जी पिता रोहित मुखर्जी के घर पहुँच कर छापेमारी किया।छापेमारी के पश्चात युवक के घर से एक देशी कट्टा व दो जिंदा कारतूस बरामद किया गया।अवैध देशी कट्टा बरामद करने के बाद युवक को गिरफ्तार कर तीनपहाड़ थाना ले आई।गिरफ्तार युवक की पहचान थाना क्षेत्र के हाथिगढ़ के सूजन मुखर्जी के रूप में हुई। पुलिस ने युवक के विरुद्ध तीनपहाड़ थाना कांड संख्या 96/25 दर्ज कर लिया।और आरोपी को जेल भेज दिया गया.छापामारी टीम पु०अ०नि० मृत्युजय कुमार पाण्डेय,थाना प्रभारी,तीनपहाड़ थाना,पु०अ०नि० महेन्द्र कुमार, तीनपहाड़ थाना,पु०अ०नि० शाहिद अहमद खाँ,तीनपहाड़ थाना,स०अ०नि० प्रदीप कुमार,तीनपहाड़ थाना आदि शामिल थे।

राजस्थान पुलिस की राधानगर में दस्तक संपत्ति का लिया ब्यौरा

साहिबगंज/उधवा : राजस्थान के भीलवाड़ा जिले से कारोई थाना की पुलिस 28 साल पुराने एक चोरी के मामले के सत्यापन के लिए राधानगर पहुँची। टीम ने चोरी में संलिप्त दो स्थानीय आरोपियों की संपत्तियों की गहन पड़ताल की। पुलिस सूत्रों के अनुसार, भीलवाड़ा की यह टीम 1996 में हुए एक चोरी के मामले की जांच के सिलसिले में यहाँ आई थी। राधानगर थाना पुलिस के सहयोग से राजस्थान पुलिस ने पियारपुर के असलम शेख उर्फ हसमत और बेगमगंज के नौशाद शेख के ठिकानों पर जाकर कार्रवाई की। इस दौरान, दोनों कथित आरोपियों के आवासों और उनकी अन्य संपत्तियों का पूरा ब्यौरा जुटाया गया। मौके पर राजस्थान पुलिस के हेड कांस्टेबल तेज सिंह और सिपाही दिनेश कुमार मौजूद थे।

पश्चिमी उधवा दियारा पंचायत की 4 किमी सड़क की स्थिति बदहाल आवागमन में हो रही परेशानी

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा: पश्चिमी उधवा दियारा पंचायत के अंतर्गत आने वाला ग्राम कचहरी पुल से यार मोहम्मद टोला और बालुग्राम बाजार तक का लगभग चार किलोमीटर लंबा मार्ग अब क्षेत्र की जनता के लिए मुसीबत और दुर्घटनाओं का पर्याय बन चुका है। सड़क की बदहाली ऐसी है कि ग्रामीणों को जान जोखिम में डालकर यात्रा करने पर मजबूर कर रही है। इस सड़क पर जगह-जगह इतने बड़े-बड़े गड्ढे बन चुके हैं कि अब कई स्थानों पर यह पहचानना मुश्किल है कि सड़क है भी या नहीं। मानसून के मौसम में ये गड्ढे पानी से भर जाते हैं, जिससे उनकी गहराई का अंदाजा लगाना असंभव हो जाता है, और दुर्घटनाओं की आशंका कई गुना बढ़ जाती है।आए दिन दोपहिया,

तिपहिया और चौपहिया वाहन चालकों को इस मार्ग से गुजरना पड़ता है।

क्या कहते है ग्रामीण?

यार मोहम्मद टोला गांव के ग्रामीण महबूब आलम, मसरूल आलम, मुजीबुर रहमान, सुल्तान शेख, शाहिद शेख, नबी शेख, अंसारुल शेख, मुबारक शेख, मुजीबुर शेख आदि ने बताया कि पिछले कई सालों से इस 4 किलोमीटर सड़क के निर्माण की मांग की जा रही है, लेकिन अभी तक इस पर कोई चर्चा भी नहीं हुई है। अधिकारी भी सड़क की इस भयावह स्थिति से भली-भांति परिचित हैं, फिर भी निर्माण कार्य की ओर उनका ध्यान नहीं है। जर्जर सड़क और बड़े गड्ढों के कारण उन्हें बेहद परेशानी होती है। गर्भवती महिलाओं और बीमार लोगों को अस्पताल ले जाना तो और भी मुश्किल हो जाता है।

छात्र-छात्राओं का भविष्य भी दांव पर

इस सड़क की हालत का सबसे बुरा असर छात्र-छात्राओं पर पड़ रहा है। कीचड़ और गंदगी से भरे मार्ग से स्कूल आने-जाने वाले बच्चे अक्सर फिसल कर गिर जाते हैं, जिससे उनके कपड़े खराब होने के साथ-साथ उन्हें चोटें भी लगती हैं। बारिश के दिनों में स्थिति इतनी बिगड़ जाती है कि 4 किलोमीटर की दूरी तय करने में घंटों लग जाते हैं। यही वजह है कि निजी विद्यालयों के वाहन भी गांव तक नहीं आ पाते हैं, जिससे लगभग पांच हजार आबादी वाले ग्रामीणों को भारी असुविधा हो रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस सड़क के तत्काल निर्माण की मांग की है।

किंग खान को लेकर जैकी श्रॉफ का बड़ा बयान

अकेलापन महसूस करते हैं शाहरुख खान

सिनेमा की दुनिया में शाहरुख खान का सिक्का चलता है। किंग खान के देश और दुनिया में करोड़ों फैंस हैं। अपनी अदाकारी के बूते वे आज भी इंडस्ट्री में टॉप पर हैं। हालांकि, स्टारडम के साथ-साथ उनकी जिंदगी में अकेलापन भी आया है, ऐसा कहना है जैकी श्रॉफ का। जैकी श्रॉफ ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि उन्होंने शाहरुख खान को शूटिंग के दौरान सेट पर अकेले बैठा देखा। जैकी ने कहा कि सुपरस्टारडम की वजह से उन्हें शीर्ष पर अकेलापन महसूस होता होगा।

सेट पर अलग-थलग थे किंग खान: अभिनेता जैकी श्रॉफ और शाहरुख खान ने कई फिल्मों में साथ काम किया है। जैकी श्रॉफ ने हाल ही में विक्की लालवानी के साथ एक इंटरव्यू में शाहरुख खान के साथ अपनी दोस्ती के बारे में बात की।

दोनों ने 'देवदास' और 'किंग अंकल' जैसी फिल्मों में काम किया है। जैकी श्रॉफ ने इस दौरान कहा कि शूटिंग के दौरान शाहरुख खान सेट पर अकेले बैठे रहते थे, जबकि वह सम्मानजनक और करिश्माई हैं। फिर भी किंग खान अलग-थलग थे।

पसंद आई शाहरुख खान की वाइब्स3 जैकी श्रॉफ ने आगे कहा, अकेलापन, हर एक्टर को एक अकेलापन महसूस होना चाहिए। यह मुझे किसी ने बोला था। जैकी ने आगे कहा, तो मैंने उसे (शाहरुक खान) वहां अकेले बैठे देखा। वह मेरे छोटे भाई का किरदार निभा रहा था। वह सम्मानजनक था, अपने काम पर ध्यान केंद्रित करता था और वह करिश्माई और आकर्षक था। लेकिन अलग-थलग। जैसे मैं अलग-थलग था, वह भी अलग-थलग था। मुझे वह वाइब्स पसंद आई।

बोले- एवरेस्ट की चोटी पर सिर्फ आपकी छाया होगी: जैकी श्राफ ने कहा कि फिल्म 'देवदास' से पहले उन्होंने 'वन 2 का 4' जैसी अन्य फिल्मों में साथ काम किया। हालांकि, संजय लीला भंसाली की फिल्म के सेट पर यह सामान्य बात थी। उन्होंने कहा कि 'देवदास' में किरदार ऐसे थे कि अकेले बैठना स्वाभाविक था। जैकी श्रॉफ ने कहा कि जब आप सफलता के दुर्गम स्तर पर पहुंच जाते हैं, तो अकेलापन महसूस करने लगते हैं। एक्टर ने कहा, मुझे लगता है कि अगर आप एवरेस्ट की चोटी पर जाते हैं, तो आपके पास बस आपकी छाया होगी या फिर वहां सिर्फ अकेलापन है। जैकी श्रॉफ ने कहा कि किंग खान के मामले में भी उन्हें बिल्कुल ऐसा ही महसूस हुआ।

तलाक की घोषणा को लेकर चर्चा में एक्ट्रेस

'जिंदगी रोलर-कोस्टर राइड है', लता का लाइफ मंत्रा

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' सीरियल से चर्चित हुईं एक्ट्रेस लता सबरवाल ने पिछले दिनों अपने पति संजीव सेठ से अलगाव की घोषणा की। हाल ही में वह जिंदगी जीने के तरीकों पर बात करती दिखीं।

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' सीरियल में कभी नजर आईं एक्ट्रेस लता सभरवाल ने शादी के 16 साल बाद अपने पति संजीव सेठ से अलगाव की घोषणा की है। अलगाव के बाद लता अपने काम में पूरी तरह से व्यस्त हैं। वह बतौर पर्सनालिटी ग्रूमिंग मेंटर की तरह काम करती हैं। हाल ही में एक पॉडकास्ट में लता ने जिंदगी को लेकर गहरी बातें साझा की हैं।

जिंदगी की जर्नी को एंज्वॉय करना चाहिए : अभिषेक व्यास के पॉडकास्ट में लता ने कहा, 'हमारे जीवन में एक लक्ष्य खत्म हो जाता है, दूसरा लक्ष्य सामने खड़ा हो जाता है। जिंदगी तो बस अनुभव का दूसरा नाम है। हम सबकी जिंदगी रोलर कोस्टर राइड की तरह है। अगर कोई कहता है कि उसकी जिंदगी में सब सही है, तो ऐसा नहीं है। हां, बस अपनी जिंदगी की इस जर्नी को एंज्वॉय करना चाहिए।'

कैसे शुरू हुई थी लता-संजीव की लव जर्नी : बताते चलें कि लता और संजीव सेठ ने टीवी सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में पति और पत्नी का रोल किया था। इसी सीरियल के सेट पर इन्हें प्यार हुआ, आगे चलकर ये शादी के बंधन में बंधे। इनका एक बेटा भी है। हाल ही में दोनों ने अलगाव की राह को चुना है। शादी के 16 साल बाद लता और संजीव अलग हो गए हैं। इनके फैंस जरूर इस बात से दुखी नजर आ रहे हैं, सोशल मीडिया पर लता और संजीव से अलगाव को लेकर सवाल भी कर रहे हैं।

लता ने प्राइवेसी का सम्मान करने की गुजारिश की : जब लता ने अपने अलगाव की घोषणा सोशल मीडिया पर की तो फैंस से गुजारिश भी की, इसमें एक्ट्रेस ने कहा, 'मैं सभी से रिक्वेस्ट करती हूं कि प्लीज मेरे और मेरे परिवार की शांति का सम्मान करें। इस बारे में कोई सवाल न पूछें या फोन न करें।'

चुनौतियों से भरे किरदार करना चाहती हूं- सोनाक्षी

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म निकिता रॉय की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। कई फिल्मों में दमदार अदायगी से वाहवाही लूटने वाली सोना ने आईएएनएस से बातचीत में एक दबी हुई ख्वाहिश का भी इजहार किया! ब उनसे पूछा कि एक अभिनेत्री के तौर पर वह और क्या करना चाहेंगी, तो इस पर दबंग अभिनेत्री ने कहा, वह इन दिनों ऐसे किरदार की तलाश में हैं जो उन्हें अलग तरह से चुनौती दें और उन्हें अलग-अलग तरीके से स्क्रीन पर पेश करें। उन्होंने आगे कहा, मैं ऐसा कुछ नहीं करना चाहती जो मैंने पहले किया हो या ऐसा जो मैं अपनी नींद में कर सकती हूं, बल्कि मैं ऐसा किरदार चाहती हूं जो वास्तव में मुझे नई चुनौती दे और मुझे मेरे कंफर्ट से बाहर ले जाए। इसलिए मैं पिछले नौ सालों से अलग-अलग किरदार चुन रही हूं। वहीं, मुझे नई चीजें करना पसंद भी है और इसमें काफी मजा भी आता है। सोनाक्षी ने कहा, मैं एक पीरियड ड्रामा या बायोपिक करना पसंद करूंगी। मैंने हीरामंडी जैसी पीरियड ड्रामा सीरीज की है, लेकिन मैंने बायोपिक नहीं की है। इसलिए मैं इसे करना पसंद करूंगी। इस बीच सोनाक्षी ने सन ऑफ सरदार सीक्वल का हिस्सा न होने के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि शायद फिल्म की कहानी अब किसी और दिशा में जा रही है और उसमें नए किरदार होंगे। मैं इस बदलाव को पूरी तरह समझती हूं और इसका सम्मान करती हूं। सोनाक्षी सिन्हा ने आगे कहा, मैं अब प्रोफेशनल तरीके से सोचती हूं। हम इतने सालों से इस इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं, तो इन [illegible] बहुत छोटी सी बात है, कोई बड़ी बात इसका मुझ पर कोई असर नहीं पड़ता।

राहु केतु की शूटिंग के बाद शालिनी पांडे ने मनाली के नाम लिखा दिल से भरा खत- कहा, पहाड़ों ने मुझे थाम लिया

अर्जुन रेड्डी, जयेशभाई जोरदार, महाराज और डब्बा कार्टेल जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाली शालिनी पांडे ने हाल ही में अपनी आगामी फिल्म 'राहु केतु' की शूटिंग मनाली की वादियों में पूरी की। शूटिंग खत्म होने के बाद, शालिनी ने

सोशल मीडिया पर एक भावुक और आत्मीय पोस्ट शेयर की – जिसमें उन्होंने इस पूरे अनुभव को एक प्रेम-पत्र और कृतज्ञता से भरी डायरी की तरह बयां किया। उन्होंने तस्वीरों की एक खूबसूरत सीरीज शेयर करते हुए लिखा- मनाली के लिए एक छोटा सा लव लेटरज् मैंने यहाँ एक महीने बिताया, शूटिंग करते हुए, पहाड़ों की गोद में रहते हुए, और एक नई लय में खुद को ढालते हुए। मुझे अपने डॉग्स छ्व और क्ष्क्रकी बहुत याद आई। हर दिन। कभी-कभी ये चुप्पी भारी लगती थी... लेकिन धीरे-धीरे, मनाली ने मुझे थाम लिया। अजनबियों की चुप्पी में छिपी दया में, हिमाचली कुत्तों के प्यार में जो बस पास आकर बैठ जाते थे, सुबह की शांति और देवदार की खुशबू में... शालिनी ने आगे बताया कि 'अविर' नाम का एक छोटा कैफे, गौतम द्वारा बनाई गई नुटेला टोस्ट और अदरक-नींबू की चाय, सैम के स्टूडियो में मिट्टी से जुड़ाव, और मनाली स्ट्रेज़ जैसे एनिमल रेस्क्यू सेंटर – इन सबने उनके दिनों को खास बना दिया। मैं एक एक्टर के तौर पर मनाली काम के लिए गई थी, लेकिन वापस लौट रही हूं एक भरे हुए दिल और अनगिनत यादों के साथ।

'क्रिमिनल जस्टिस' फेम इस एक्ट्रेस के साथ हुआ कास्टिंग काउच?

बॉलीवुड और ओटीटी में अपने अभिनय से खास पहचान बना चुकीं बरखा सिंह ने हाल ही में एक इंटरव्यू में ऐसा खुलासा किया है जिसने इंडस्ट्री में हलचल मचा दी है। उन्होंने बताया कि भले ही उन्हें सीधे तौर पर कभी कास्टिंग काउच का सामना नहीं करना पड़ा, लेकिन एक बार उन्हें एक ऐसा ईमेल मिला जिसने उन्हें अंदर से झकझोर कर रख दिया। लफंगे और द साबरमती रिपोर्ट जैसी फिल्मों में अपने अभिनय का लोहा मनवा चुकीं एक्ट्रेस बरखा सिंह ने कहा कि साउथ इंडस्ट्री से जुड़े एक व्यक्ति ने उन्हें ईमेल के जरिए रोल के बदले 'समझौता' करने की मांग की थी। बरखा के मुताबिक, ये प्रस्ताव इतनी सफाई से लिखा गया था मानो ये इंडस्ट्री का आम चलन हो।

ईमेल में लिखा गया था 'कॉम्प्रोमाइज जरूरी है'

बरखा ने हॉटर्फ्लाई के साथ इंटरव्यू में कहा, ईमेल में साफ लिखा था कि इतने शूटिंग डे होंगे, फिगर मेजरमेंट्स ऐसी होनी चाहिए और कॉम्प्रोमाइज जरूरी है।

प्रोफेशनल करियर में लगातार आगे बढ़ रहीं बर्खा

बरखा सिंह इन दिनों अपने करियर के बेहतरीन दौर से गुजर रही हैं। हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज 'क्रिमिनल जस्टिस 4' में उन्होंने पंकज त्रिपाठी के साथ स्क्रीन शेयर किया और दर्शकों से तारीफें बटोरीं। उनकी हालिया फिल्म 'लफंगे' में उन्होंने 'इशिता' नाम का किरदार निभाया, जो एक हल्की-फुल्की रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म है। इसके अलावा बर्खा की द साबरमती रिपोर्ट में उनकी गेस्ट अपीयरेंस को भी क्रिटिक्स ने काफी सराहा। अपनी मासूमियत और नेचुरल एक्टिंग के लिए बर्खा आज की यंग एक्ट्रेसेज में एक खास मुकाम रखती हैं।

श्रीलंका के खिलाफ पहले वनडे में मिली हार पर तस्कीन अहमद ने कहा-हमने दबाव में आकर गलत फैसले लिए

कोलंबो : बांग्लादेश के तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद ने श्रीलंका के खिलाफ पहले वनडे में मिली हार पर कहा कि शानदार शुरूआत के बाद टीम ने दबाव में आकर गलत फैसले लिए और मुकाबला गंवा दिया।

तस्कीन ने बुधवार को मैच के बाद कहा, ₹मैं उम्मीद कर रहा था कि हम यह मैच पांच से सात ओवर शेष रहते जीत जाएंगे। 16 ओवर में 96 रन पर 1 विकेट था, तो यही लग रहा था कि हम आसानी से जीतेंगे। हालांकि मैदान पर हालात उलट गए। बांग्लादेश ने सिर्फ 5 रन के भीतर अपने 7 विकेट गंवा दिए। तस्कीन ने स्वीकार किया कि इस पतन की शुरूआत मिलन रथनायके की शानदार फील्डिंग से हुए रनआउट से हुई, जिसमें नजमुल हुसैन शान्तो आउट हुए। इसी ओवर में हसरंगा ने भी एक एल्बीडब्ल्यू विकेट लिया। तस्कीन ने कहा, ₹वही ओवर मैच का टर्निंग पॉइंट था। हमने बीच के ओवरों में बहुत खराब बल्लेबाजी की। 100 रन की तेज शुरूआत के बाद 100 पर 2 और फिर 107 पर 8 विकेट हो जाना बहुत भारी पड़ा। बांग्लादेश की ओर से सबसे अच्छी बल्लेबाजी जाकिर अली ने की, जिन्होंने 64 गेंदों में 51 रन बनाए। तस्कीन ने कहा, ₹जब जाकिर सेट हो गए थे, तब बेहतरीन बल्लेबाजी कर रहे थे। अगर उनके साथ दो-तीन और बल्लेबाज टिके रहते, तो हम यह मैच जीत सकते थे। विकेट उतना खराब नहीं था, जितना हमने खराब खेल दिखाया। आखिर में तस्कीन ने हार का कारण स्पष्ट रूप से बताया: ₹हमने शुरूआत में बढ़िया खेल दिखाया, लेकिन जैसे ही रनआउट हुआ और तमीम आउट हुए, टीम घबरा गई। हमने अपने नैचुरल गेम से हटकर खेला और दबाव में आकर बिखर गए।

विंबलडन 2025: अल्कराज ने क्वालिफायर ऑली टार्वेट को हराया, तीसरे दौर में बनाई जगह

लंदन : विंबलडन 2025 में बुधवार रात खेले गए पुरुष एकल के दूसरे दौर के मुकाबले में स्पेन के कार्लोस अल्कराज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ब्रिटेन के क्वालिफायर खिलाड़ी ऑली टार्वेट को 6-1, 6-4, 6-4 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया। विश्व रैंकिंग में नंबर 733 पर काबिज टार्वेट के लिए यह मुकाबला किसी सपने से कम नहीं था। घरेलू दर्शकों से मिल रहे जबरदस्त समर्थन के बीच उन्होंने अल्कराज को कड़ी टक्कर देने की भरपूर कोशिश की, लेकिन दो बार के मौजूदा चैंपियन की दमदार फोरहैंड्स और अनुभव के सामने अंततः वह टिक नहीं सके। 21 वर्षीय टार्वेट, जो अमेरिका के सैन डिएगो में कॉलेज छात्र हैं, ने तीन राउंड के क्वालिफाइंग मुकाबले जीतकर मेन ड्रॉ में जगह बनाई थी। उन्होंने मैच से पहले आत्मविश्वास के साथ कहा था कि वह किसी को भी हरा सकते हैं – जिसमें अल्कराज भी शामिल हैं। पहले सेट में टार्वेट ने आठ ब्रेक पॉइंट्स बनाए लेकिन अल्कराज ने जबरदस्त रक्षात्मक खेल दिखाते हुए केवल एक गेम गंवाया और दो बार टार्वेट की सर्विस तोड़कर सेट अपने नाम किया। दूसरे सेट की शुरूआत में टार्वेट ने अल्कराज की सर्विस ब्रेक कर 2-0 की बढ़त बनाई, लेकिन अल्कराज ने तुरंत वापसी करते हुए अगले चार पॉइंट्स जीतकर मैच पर फिर से नियंत्रण जमा लिया। नौवें गेम में एक और ब्रेक के साथ उन्होंने दूसरा सेट भी जीत लिया। तीसरे सेट में अल्कराज ने 3-2 की बढ़त ली, लेकिन टार्वेट ने फिर ब्रेक कर बराबरी की। हालांकि, अल्कराज ने जवाब में अगले चार पॉइंट जीतकर निर्णायक बढ़त बनाई और मैच को अपने पक्ष में समाप्त किया।

अर्जुन रामपाल ने बच्चों को बनाया अपना क्रिटिक, राणा दग्गुबाती को बताया 'साइलेंट जीनियस'

नेटफ्लिक्स की क्राइम ड्रामा सीरीज 'राणा नायडू' के दूसरे सीजन में एक नया चेहरा चर्चा में है-राउफ। रहस्यमय, शांत और भीतर से टूटा यह किरदार अर्जुन रामपाल ने निभाया है। हाल ही में खास बातचीत में अर्जुन ने बताया कि राउफ जैसा किरदार करना उनके लिए आसान नहीं था। यह रोल उनके लिए सिर्फ एक्टिंग नहीं थी बल्कि एक गहरा अनुभव था। सीरीज राणा नायडू 2 में निभाए अपने किरदार के बारे में अर्जुन कहते हैं, मैं कोई रोल सिर्फ इसलिए नहीं करता कि उसमें स्क्रीन पर ज्यादा समय मिले या वो दिखने में अलग लगे। मेरे लिए जरूरी होता है कि वो इंसान अंदर से क्या महसूस कर रहा है। राउफ बहुत कम बोलता है, लेकिन अंदर से बहुत कुछ जी रहा होता है। बाहर से वो शांत लगता है, लेकिन अंदर से टूटा और उलझा हुआ है। राउफ के किरदार को निभाना नहीं था, राउफ को जीना था। और ऐसा करने के लिए पहले अपने आप से सच्चा होना जरूरी होता है। अगर कोई कलाकार सच्चाई ढूंढ रहा हो, तो ऐसे रोल डराते नहीं, बल्कि खुद बुलाते हैं। अर्जुन ने बताया, मैंने राणा नायडू का पहला सीजन देखा था और मुझे वो वाकई बहुत पसंद आया था। उसकी जो टोन थी...कच्ची, अलग और बहुत इमोशंस से भरी, वो आजकल कम देखने को मिलती है। शो के हर किरदार में कमियां थीं, लेकिन फिर भी उनसे जुड़ाव महसूस होता था

प्रधानमंत्री मोदी को घाना के राष्ट्रीय सम्मान से नवाजा गया, कहा-

भारत सिर्फ साझेदार नहीं बल्कि सह-यात्री है

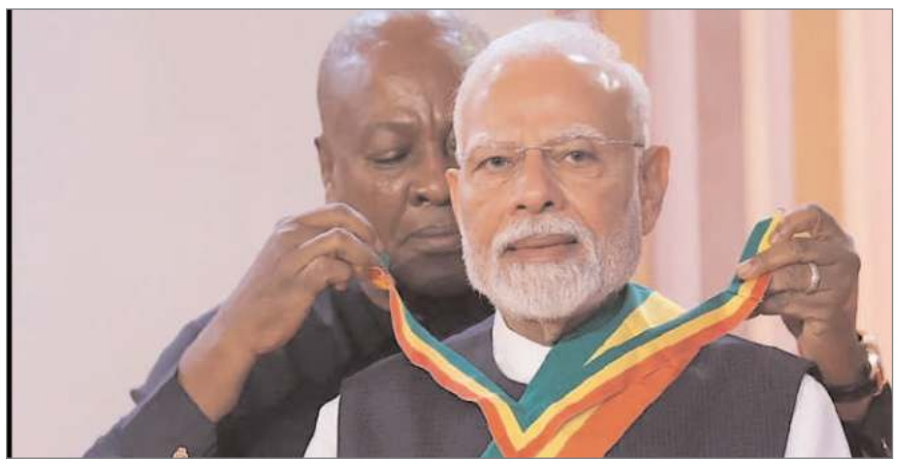

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उनके प्रतिष्ठित शासन कौशल और प्रभावशाली वैश्विक नेतृत्व के लिए घाना के राष्ट्रीय सम्मान ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना से सम्मानित किया गया। घाना के राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामा ने प्रधानमंत्री मोदी को बुधवार को इस पुरस्कार से सम्मानित किया।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, द ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना से सम्मानित होने पर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। पीएम मोदी ने सम्मान स्वीकार करते हुए कहा कि यह पुरस्कार उनके लिए बहुत गर्व और सम्मान की बात है। उन्होंने कहा, मैं 140 करोड़ भारतीयों की ओर से यह पुरस्कार विनम्रतापूर्वक स्वीकार करता हूं। उन्होंने इस सम्मान को दोनों देशों के युवाओं की आकांक्षाओं और उज्ज्वल भविष्य, घाना और भारत के बीच ऐतिहासिक संबंधों तथा उनकी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं एवं विविधता को समर्पित किया।

भारत सिर्फ साझेदार नहीं बल्कि सह-यात्री है : प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और घाना ने अपने संबंधों को व्यापक साझेदारी के स्तर तक विस्तार दिया है, साथ ही उन्होंने दोहराया कि नयी दिल्ली इस अफ्रीकी राष्ट्र की विकास यात्रा में सह-यात्री है। प्रधानमंत्री मोदी ने घाना के राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामा के साथ व्यापक वार्ता के बाद बुधवार को ये टिप्पणियां कीं। मीडिया को दिए अपने बयान में मोदी ने कहा कि दोनों पक्षों ने अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है और भारत, घाना की विकास यात्रा में सिर्फ साझेदार ही नहीं बल्कि सह-यात्री भी है। दोनों नेताओं के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक मोदी के पश्चिम अफ्रीकी देश की राजधानी पहुंचने के कुछ घंटे बाद हुई।

मोदी पांच देशों की यात्रा के पहले चरण में घाना पहुंचे : पीएम मोदी पांच देशों की यात्रा के पहले चरण में घाना पहुंचे हैं। घाना के राष्ट्रपति महामा ने प्रधानमंत्री मोदी की हवाई अड्डे पर अगवानी की, जहां उनका पारंपरिक स्वागत किया गया। यह तीन दशकों में भारत के किसी प्रधानमंत्री की पहली घाना यात्रा है। मोदी और महामा के बीच वार्ता के बाद दोनों पक्षों ने संस्कृति और पारंपरिक चिकित्सा समेत कई क्षेत्रों में चार समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

किसानों के मुद्दे को लेकर राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर बोला हमला

विदेशी निर्भरता से झुक रही किसान की रीढ़

नई दिल्लीः कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने किसानों के मुद्दे को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला। राहुल गांधी ने कहा है कि किसान के लिए खाद जैसी जरूरी वस्तु विदेश पर निर्भता बढ़ रही है और इसे कम करने के प्रयास नहीं हो रहे हैं, इसलिए किसान की रीढ़ लगातार झुक रही है। श्री गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि भारत कृषि प्रधान देश है और किसान हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, लेकिन आज यही रीढ़ विदेशी निर्भरता के कारण झुकती जा रही है। भारत 80 प्रतिशत स्पेशियलिटी फर्टिलाइजर चीन से मंगाता है और अब चीन ने सप्लाई रोक दी है। यह पहली बार नहीं है -यूरिया और डीएपी जैसे जरूरी खादों की कमी से देश भर का किसान अब तक जूझ ही रहा है कि अब स्पेशियलिटी खाद का चीनी संकट मंडराने लगा।

उन्होंने कहा कि कमाल इस बात का है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खाद की बोरियों पर अपनी तस्वीरें छपवा रहे हैं और इधर किसान मेड इन चाइना पर आश्रित होते जा रहे हैं। ये आपूर्ति कभी भी रुक सकती है, ये पता होने के बावजूद सरकार ने कोई तैयारी नहीं की। जब घरेलू उत्पाद को बढ़ावा देने की जरूरत थी, उन्होंने कोई नीति, कोई योजना नहीं बनाई। श्री गांधी ने सवाल किया कि क्या अब किसान अपनी मिट्टी में भी दूसरों का मोहताज रहेगा। उनका कहना था कि अन्नदाता कीमती वक्त और अच्छी फसल का नुकसान झेलते हुए कर्ज़ और हताशा में डूबा है इसलिए किसान पूछ रहा है किसका साथ, किसका विकास ।

स्पाइसजेट विमान का हवा में उखड़ा विंडो फ्रेम, कंपनी का दावा यात्रियों की सुरक्षा कभी भी खतरे में नहीं आई

नई दिल्ली : स्पाइसजेट के क्यू400 विमान में उड़ान के दौरान एक घटना घटी, जब एक कॉस्मेटिक विंडो फ्रेम ढीला हो गया और उखड़ भी गया। इसके बाद स्पाइसजेट की तरफ से औपचारिक बयान सामने आया है। बयान में बताया गया है कि यह फ्रेम एक गैर-संरचनात्मक घटक था, जिसका उद्देश्य खिड़की पर छांव प्रदान करना था, और इसका विमान की सुरक्षा या संरचना पर कोई असर नहीं पड़ा। फ्लाइट के दौरान केबिन का प्रेशर सामान्य रहा और यात्रियों की सुरक्षा कभी भी खतरे में नहीं आई।

बता दें, क्यू400 विमान में कई सुरक्षात्मक विंडो पैनल होते हैं, जिनमें से बाहरी पैनल का कार्य दबाव सहन करना होता है। यह सुनिश्चित करता है कि विमान के किसी भी कॉस्मेटिक या सतही घटक के ढीले होने पर भी यात्रियों की सुरक्षा पर कोई असर नहीं पड़ता। इस घटक का ढीला होना सिर्फ एक मामूली समस्या थी, जो विमान की संरचना और उड़ान की सुरक्षा को प्रभावित नहीं करती।

यह घटना सामने आने के बाद, स्पाइसजेट की तकनीकी टीम ने विमान को सही तरीके से जांचा और विमान के अगले स्टेशन पर उतरते ही इस विंडो फ्रेम की मरम्मत की गई। यह मरम्मत सामान्य रखरखाव प्रक्रिया का हिस्सा थी, और विमान के संचालन में कोई रुकावट नहीं आई।

स्पाइसजेट ने इस घटना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। दावा किया कि विमान की सामान्य उड़ान स्थिति और यात्रियों की सुरक्षा पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। एयरलाइन ने यह भी स्पष्ट किया कि यह घटक सिर्फ एक कॉस्मेटिक हिस्सा था, जिसका उद्देश्य सिर्फ खिड़की की सुंदरता बढ़ाना था और विमान की सुरक्षा प्रणाली में कोई भूमिका नहीं थी।

बता दें, इस घटना की वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगी थी। सोशल मीडिया यूजर्स इस वायरल वीडियो को लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं देने लगे थे।

चीन से टोक्यो जा रहे जापान एयरलाइंस के विमान की ओसाका एयरपोर्ट पर एमर्जेंसी

हवा में 26000 फुट नीचे आया बोइंग प्लेन

एजेंसी/ टोक्योः जापान एयरलाइंस का बोइंग 737 विमान दुर्घटना का शिकार होने से बाल-बाल बच गया। बोइंग का यह विमान चीन से उड़ान भरकर जापान की राजधानी टोक्यो जा रहा था। शंघाई में उड़ान भरते ही विमान में खराबी आ गई। इसी दौरान विमान 10 मिनट में 26000 फुट ऊंचाई से नीचे आ गया। विमान को नीचे गिरता देख यत्रियों ने विदाई संदेश लिखकर रख दिए। हालांकि, आखिर में विमान की लैंडिंग सेफ तरीके से जमीन पर हुई। यह हादसा 30 जून की शाम को हुआ, जब विमान ने चीन के शंघाई पुडोंग एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी और टोक्यो के नारिता एयरपोर्ट की ओर जा रहा था। विमान में कुल 191 लोग सवार थे। रिपोर्ट के अनुसार, विमान ने उड़ान भरने के कुछ समय बाद ही तकनीकी खराबी का सामना किया। जापान के क्यूशू द्वीप के ऊपर उड़ान भरते समय विमान के केबिन प्रेशर सिस्टम में खराबी का अलर्ट मिला। इसके चलते विमान को तेजी से नीचे लाना पड़ा, जिसे एमरजेंसी डिसेंट कहा जाता है। महज 10 मिनट में यह लगभग 36,000 फुट से घटकर 10,500 फुट की ऊंचाई पर आ गया।

यात्रियों ने बताया कि एक मफल्ड बूम की आवाज सुनाई दी और कुछ ही सेकंड में ऑक्सीजन मास्क गिर गए। केबिन में अराजकता का माहौल बन गया, जिसमें फ्लाइट अटेंडेंट्स जोर-जोर से यात्रियों को मास्क पहनने के लिए कह रही थीं। कई यात्री उस समय सो रहे थे और घबरा गए। कुछ यात्रियों ने तो इस डर से अपनी वसीयत लिख दी और अपने परिजनों को एटीएम पिन व बीमा की जानकारी भेज दी। इस डरावने लम्हे को कुछ यात्रियों ने मोबाइल पर रिकॉर्ड भी किया। विमान के पायलट ने तत्काल एयर ट्रैफिक कंट्रोल को आपात स्थिति की सूचना दी और विमान को ओसाका के कंसाई इंटरनेशनल एयरपोर्ट की ओर मोड़ दिया गया। विमान ने शाम 8:50 बजे सुरक्षित लैंडिंग की। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में कोई भी यात्री या क्रू मेंबर घायल नहीं हुआ। एयरलाइन की ओर से यात्रियों को 15,000 येन का परिवहन मुआवजा और एक रात के होटल ठहराव की सुविधा दी गई है। विमान की तकनीकी खराबी की जांच शुरू कर दी गई है।

एक नहीं, फेल हो गए थे दोनों इंजन, एयर इंडिया प्लेन हादसे की शुरूआती जांच से मिले संकेत

अहमदाबादः अहमदाबाद से लंदन जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-171 के भीषण हादसे की शुरूआती जांच में इस दुर्घटना के कारणों को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। शुरूआती जांच में इस बात की संभावना जताई जा रही है कि दोनों इंजनों के फेल हो जाने के कारण यह दुर्घटना हुई थी। एयरक्राफ्ट एक्सिडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) के सूत्रों ने इसकी जानकारी दी है। बता दें कि इस विमान हादसे में 241 यात्री और मेडिकल कालेज के छात्रों समेत कुल 270 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। टेकऑफ के कुछ ही सेकंड बाद विमान ऊंचाई नहीं पकड़ सका और सीधे एक मेडिकल कालेज की छत पर गिर गया। जांच में सामने आया है कि रैम एयर टर्बाइन (आरएटी) केवल तब सक्रिय होती है, जब दोनों इंजन बंद हो जाते हैं। हादसे से ठीक पहले यह सक्रिय हो गई थी। प्रारंभिक जांच के मुताबिक, विमान में दो जनरल इलेक्ट्रिक (जीई) इंजन लगे थे। एएआईबी इस बात की जांच कर रहा है कि क्या बिजली की खराबी, ईंधन में मिलावट या इंजन नियंत्रण प्रणाली की विफलता के कारण एक साथ बिजली चली गई। जीई ने फिलहाल इस रिपोर्ट पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। एयर इंडिया ने भी कुछ बयान नहीं दिया है। एयर इंडिया द्वारा किए गए उड़ान सिमुलेशन में टेकऑफ के दौरान बोइंग 787 के लैंडिंग गियर और विंग फ्लैप वापस खींचे गए थे। वीडियो फुटेज से पुष्टि होती है विमान उड़ान भरने के बाद ऊंचाई पर नहीं जा सका और सीधा नीचे गिरा। वहीं, आरएटी की तैनाती दशार्ती है कि दोनों इंजन फेल हो चुके थे जो एक बेहद दुर्लभ स्थिति है।

विधवा महिलाओं को हर महीने मिलेंगे 4000 रुपए, सरकार ने लिया बड़ा फैसला

पणजी : गोवा सरकार ने राज्य की विधवा महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण सामाजिक कल्याणकारी कदम उठाया है। अब 21 साल से कम उम्र के बच्चों वाली विधवा महिलाओं को प्रतिमाह 4000 रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। यह निर्णय राज्य सरकार की मौजूदा सामाजिक कल्याण योजना में संशोधन के तहत लिया गया है, जिसका उद्देश्य जरूरतमंद महिलाओं को आर्थिक संबल प्रदान करना है।मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत की मौजूदगी में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रदेश के समाज कल्याण मंत्री सुभाष फल देसाई ने कहा, अभी तक पात्र उम्मीदवारों को गृह आधार योजना के तहत 1,500 रुपये प्रति माह पाने के लिए समाज कल्याण विभाग में आवेदन करना पड़ता था, जबकि विधवा के तौर पर 2,500 रुपये की मासिक सहायता के लिए राज्य महिला एवं बाल कल्याण विभाग में एक और आवेदन जमा करना पड़ता था।

उन्होंने कहा, लेकिन अब इन दोनों योजनाओं को समाज कल्याण विभाग के तहत लाया गया है और पात्र विधवा को अब 4,000 रुपये प्रति माह मिलेंगे। उन्होंने कहा कि पात्र लाभार्थियों को योजना से अपना नाम हटाने के लिए महिला एवं बाल कल्याण विभाग में आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि समाज कल्याण विभाग उनसे उनका नाम हटाने के लिए कहेगा।

स्वीमिंग पुल से लौट रहा पूरा परिवार खत्म, अज्ञात वाहन ने बाइक को मारी टक्कर, चार बच्चों सहित पांच की मौत

हापुड़ : उत्तर प्रदेश के हापुड़ में बाइक सवार लोगों को अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार सभी लोगों की मौत हो गई, इनमें चार बच्चे भी थे। बता दें, ये सभी बाइक सवार स्विमिंग करके वापस लौट रहे थे, तभी ये हादसा हुआ। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। यह हादसा थाना हाफिजपुर क्षेत्र के नेशनल हाईवे पर हुआ। हादसे के बाद सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने अस्पताल पहुंचकर घटना के बारे में जानकारी ली।

दिल्ली डबल मार्डर केस : लाजपत नगर के अपार्टमेंट में मिली मां- बेटे की लाश, दोनों का कटा हुआ था गला, नौकर ने दिया वारदात को अंजाम?

नई दिल्लीः दिल्ली के लाजपत नगर में एक मां और बेटे की उनके रिहायशी अपार्टमेंट में चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। उनके शव एक बंद अपार्टमेंट के अंदर मिले। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस को शक है कि इस घटना में परिवार का घरेलू सहायक शामिल है। घरेलू सहायक फिलहाल फरार है। उसने बताया कि बुधवार देर रात पुलिस घर का दरवाजा तोड़कर अंदर दाखिल हुई जहां उसे दो शव मिले। पुलिस अधिकारी ने बताया कि महिला (42) का शव शयनकक्ष में और उसके बेटे का शव स्नानगृह में मिला। घटना के संबंध में अभी और जानकारी नहीं मिल पाई है।

यह घटना बुधवार रात को हुई और पीड़ितों की पहचान 42 वर्षीय रुचिका और उसके 14 वर्षीय बेटे कृष के रूप में हुई है। पुलिस ने पाया कि दोनों पीड़ितों के गले पर कटी हुई चोटें थीं। रुचिका मास्टर बेडरूम में पाई गई, जबकि उसका बेटा कृष बगल के बाथरूम में पाया गया।

प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि दोनों के घाव किसी नुकीली चीज से किए गए थे। घरेलू सहायक, जिसे मामले में मुख्य संदिग्ध माना जा रहा था और जो फरार था, को गिरफ्तार कर लिया गया है। आज शुरूआती पुलिस पूछताछ के दौरान, घरेलू सहायक, जिसकी पहचान मुकेश के रूप में हुई, ने कबूल किया कि उसने 42 वर्षीय मां रुचिका और उसके 14 वर्षीय बेटे कृष का गला गुस्से में आकर काट दिया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, मुकेश ने जांचकताओं को बताया कि हत्याओं से कुछ मिनट पहले ही रुचिका ने उसे डांटा था। उसने कथित तौर पर बताया कि कैसे उसका गुस्सा उस पर हावी हो गया था। 24 वर्षीय मुकेश बिहार के हाजीपुर का स्थायी निवासी है, जो वर्तमान में अमर कॉलोनी में रह रहा है। उसे तलाशी अभियान के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है। मुकेश कल रात लाजपत नगर पार्ट 1 में हुई हत्याओं के बाद से ही फरार था।

बुधवार को रात करीब 9:43 बजे रुचिका के पति कुलदीप से पुलिस को पीसीआर कॉल मिलने के बाद यह घटना प्रकाश में आई। उसने पुलिस को बताया कि उसकी पत्नी और बेटा कॉल का जवाब नहीं दे रहे हैं और दरवाजा बंद है, सीढ़ियों और गेट पर खून के धब्बे हैं। एसएचओ के मौके पर पहुंचते ही गेट खोला गया। पुलिस ने पाया कि दोनों शव घर के अंदर बंद थे। मामले की आगे की जांच चल रही है।

भारत-अमेरिका के रिश्ते को नई दिशा

विदेश मंत्री की रणनीति से दोनों देशों में 10 वर्षीय सहयोग के फ्रेमवर्क पर बनी सहमति

एजेंसी/ वाशिंगटनः ऑपरेशन सिंदूर और पाकिस्तानी सेना प्रमुख से बातचीत जैसे मुद्दों पर तनाव के बाद, भारत और अमरीका ने अपने रिश्तों को नई दिशा दी है। विदेश मंत्री एस जयशंकर के वाशिंगटन दौरे के दौरान अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के साथ हुई बैठक में अगले दस वर्षों के लिए रक्षा सहयोग के ढांचे पर सहमति बनी। इससे पहले हेगसेथ ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से फोन पर बात की थी, जिसमें द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई। दोनों देशों ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र की चुनौतियों से निपटने के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जताई। जयशंकर ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रोबियो और ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट से भी मुलाकात कर रिश्तों को और मजबूत करने पर जोर दिया।

जयशंकर और हेगसेथ की बैठक में फरवरी, 2025 में पीएम नरेंद्र मोदी और ट्रंप के बीच रक्षा सौदों पर हुई चर्चा को आगे बढ़ाया गया। जेवेलिन एंटी-गाइडेड मिसाइल, स्ट्राइकर युद्धक वाहन और छह अतिरिक्त पी-8आई समुद्री गश्ती विमानों की खरीद पर बातचीत हुई। अमेरिकी रक्षा विभाग ने कहा कि दोनों देश क्षेत्रीय चुनौतियों को समझते हैं और मिलकर उनका सामना करने को तैयार हैं।

ऊर्जा सहयोग और निवेश समझौते की राहः जयशंकर ने ऊर्जा मंत्री राइट के साथ बैठक में ऊर्जा सहयोग को विस्तार देने पर चर्चा की। भारत, जो पहले से ही अमेरिकी कच्चे तेल का बड़ा खरीदार है, अब और अधिक गैस खरीदने पर विचार कर रहा है। इस महीने होने वाले द्विपक्षीय निवेश समझौते (बीआईटी) में अमरीकी पेट्रोलियम उत्पादों पर आयात शुल्क कम करने की संभावना है। जयशंकर ने कहा कि भारत और अमेरिका के रिश्ते पहले से मजबूत हैं, और इन्हें और गहरा किया जा सकता है। यह दौरा दोनों देशों के बीच विश्वास और सहयोग को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का संकेत देता है।

आतंकियों को सजा दो, क्वाड बैठक में पहलगाम अटैक की एक सुर में निंदाः क्वाड देशों-भारत, अमेरिकी, जापान और आस्ट्रेलिया ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की है और इस घटना में शामिल आतंकवादियों और उन्हें आर्थिक तौर पर मदद करने वाले संगठनों एवं उनसे जुड़े लोगों को तत्काल के न्याय के दायरे में लाने का आह्वान किया। वाशिंगटन में क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद जारी एक संयुक्त बयान में कहा कि हम पहलगाम हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। हम संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों से अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपने दायित्वों के अनुसार इस मामले में सक्रिय रूप से सहयोग करने का आग्रह करते हैं।

मार्को रुबियो ने की जयशंकर की तारीफ; कहा बहुत बिजी इनसान हैं, हमेशा बाहर रहते हैंः वैसे तो राजनीतिक और कूटनीतिक बैठकों में चर्चा वैश्विक मुद्दों और पॉलिसीज पर होती है,लेकिन कई बार कुछ ऐसे दिलचस्प लम्हे भी आते हैं, जो काफी मजेदार होते हैं। कुछ ऐसा ही हुआ जब क्वाड बैठक के लिए कई देशों के विदेश मंत्री मिले। आमतौर पर गंभीर दिखाई देने वाले विदेश मंत्री एस. जयशंकर के चेहरे पर अमरीकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की एक टिप्पणी ने मुस्कान ला दी। मार्को रुबियो ने भारतीय विदेश मंत्री की तारीफ में कुछ ऐसा कह दिया कि वहीं खड़े जयशंकर अपनी हंसी नहीं रोक पाए। मार्को रुबियो ने जयशंकर की सराहना करते हुए उन्हें बहुत व्यस्त व्यक्ति बताया। उन्होंने कहा कि जब भी वे समाचार देखते हैं, जयशंकर साहब किसी ने किसी देश में दिखाई देते हैं। वे बहुत यात्राएं करते हैं और काफी व्यस्त इनसान हैं।

न्यूज IN ब्रीफ

एसकेएमयू : पीजी सेमेस्टर-4 की परीक्षा तिथि घोषित

दुमका : सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका ने पीजी सेमेस्टर-4, सत्र 2023-25 की परीक्षा तिथि की घोषणा बुधवार को कर दी है। यह परीक्षा 16 जुलाई से 22 जुलाई 2025 तक द्वितीय पाली में दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित की जाएगी। परीक्षा को सुचारू रूप से सम्पन्न कराने के लिए सभी विषयों को दो समूहों में विभाजित किया गया है। ग्रुप 'ए' में हिंदी, भूगोल, वनस्पति शास्त्र, रसायन शास्त्र, समाजशास्त्र, वाणिज्य, बांग्ला, संस्कृत, फारसी, भूविज्ञान और संथाली शामिल हैं, जबकि ग्रुप 'बी' में इतिहास, राजनीति विज्ञान, प्राणी विज्ञान, अर्थशास्त्र, गणित, मनोविज्ञान, अंग्रेजी, दर्शनशास्त्र, उर्दू और भौतिकी शामिल हैं। विश्वविद्यालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार ग्रुप बी के पेपर 13, 14 और 15 की परीक्षाएं क्रमशः 16, 18 और 21 जुलाई को तथा ग्रुप ए के पेपर 13, 14 और 15 की परीक्षाएं क्रमशः 17, 19 और 22 जुलाई को आयोजित की जाएंगी। इस संबंध में विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. जय कुमार साह ने कुलपति प्रो. कुनुल कंदिर के निदेर्शानुसार अधिसूचना जारी की है, जिसे छात्र विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं।

सौहार्दपूर्ण वातावरण में मुहर्रम त्यौहार मनाएं : थाना प्रभारी

साहिबगंज : मुफस्सिल थाना प्रभारी मदन कुमार ने मुहर्रम त्यौहार को शांतिपूर्वक एवं सौहार्दपूर्ण तरीके मनाने के लिए थाना क्षेत्र के छोटी कोदरजन्ना मदरसा इस्लामिया में बुधवार को ग्रामीणों के साथ एक बैठक की। मुहर्रम त्यौहार को अमन चैन के साथ संपन्न करने के लिए ग्रामीण एवं बुद्धिजीवी ने भी अपनी सुझाव दिए। थाना प्रभारी द्वारा हर संभव सहयोग करने का आश्वासन देते हुए कहा कि सैकड़ों हजारों की भीड़ में सिर्फ दो चार उपद्रवी ही अशांति फैलाते हैं।जिसके लिए पुलिस प्रशासन द्वारा मोहर्रम के जुलूस पर तीसरी आंख के रूप में सीसी कैमरा और वीडियो रिकॉर्डिंग से नजर रखी जाएगी। ताकि अशांति फैलाने वाले को चिन्हित किया जा सके।बैठक में मुख्य रूप से ब्रह्मदेव यादव,अब्दुल हन्नान, जाकिर खान, आरीफ,मुजम्मिल खान, भूतपुर्व सेना मुअज्जम अली,यारानुल,सईम एवं अन्य सैकड़ो ग्रामीण उपस्थित थे।

टीबी रोग के प्रति सहयोग की भावना से रोगियों के लिए आशा की किरण उभरा

साहिबगंज : संयुक्त स्वास्थ्य भवन परिसर साहिबगंज में निक्षय मित्र योजना के अंतर्गत एक प्रेरणादायक पहल के तहत कुल 06 टीबी मरीजों को गोद लिया गया और उन्हें पोषण किट का वितरण किया गया।

कार्यक्रम में डॉ. किरण माला जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी-सह- प्रभारी जिला यक्ष्मा पदाधिकारी साहिबगंज द्वारा मण्डरो, बोरियो व साहेबगंज प्रखंड के कुल 05 टीबी मरीजों को गोद लिया गया। साथ ही अलोक लता टुडू, लिपिक, जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी कार्यालय, साहेबगंज द्वारा साहेबगंज प्रखंड के 01 टीबी मरीज को गोद लिया गया।निक्षय मित्रों द्वारा मरीजों को पोषण किट प्रदान की गई।जो ईलाज की संपूर्ण अवधि तक प्रत्येक माह दी जाएगी, जिससे उनके पोषण स्तर में सुधार हो सके और शीघ्र स्वास्थ्य लाभ सुनिश्चित किया जा सके। कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम प्रबंधक जिला कार्यक्रम समन्वयक सहिया सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम सिंचन पाण्डेय, सोमनाथ साह, आदित्य कुमार, रंजन कुमार, अनिर्वान गोस्वामी, श्रीचंद साह, पीटर, कार्नलियुस सोरेन एवं अन्य कर्मी उपस्थित रहे।यह आयोजन समुदाय में टीबी रोग के प्रति संवेदनशीलता और सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करता है। रोगियों के लिए आशा की किरण बनकर उभरा है।

आश्रम उच्च विद्यालय बेन्दौरा, चैनपुर में आयोजित हुआ शिक्षक-अभिभावक की बैठक

गुमला : गुमला उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित के निदेर्शानुसार आज चैनपुर प्रखंड अंतर्गत आश्रम उच्च विद्यालय, बेन्दौरा में धरती आबा जनभागीदारी अभियान के तहत शिक्षक-अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल विद्यालयी शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर चर्चा करना था, बल्कि अभिभावकों एवं समुदाय को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से भी अवगत कराना था।

बैठक के दौरान उपस्थित पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा धरती आबा जनजातीय जागृत अभियान के अंतर्गत चलाए जा रहे विशेष जनसेवा शिविरों की जानकारी दी गई। अभिभावकों को बताया गया कि इन शिविरों के माध्यम से जाति, आवासीय, आय प्रमाण पत्र, पेंशन, राशन कार्ड, स्वास्थ्य जांच, मछली पालन, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, मनरेगा आदि योजनाओं से संबंधित आवेदन लिए जा रहे हैं और कई मामलों का त्वरित निष्पादन भी किया जा रहा है।

इस अवसर पर जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला परिषद सदस्य चैनपुर, जिला परिषद सदस्य घाघरा, मुखिया कतिंग पंचायत सहित बड़ी संख्या में अभिभावकगण, शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

बैठक में विद्यालय के शैक्षणिक वातावरण को बेहतर बनाने के उपायों पर चर्चा की गई एवं शिक्षक-अभिभावक संवाद के माध्यम से छात्रों के समग्र विकास के लिए संयुक्त प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया गया।

होटलों में ठहरने वालों की सूचना रोज देना होगा, नहीं तो होगी कार्रवाई

डीआईजी ने सभी थानों को दिया सख्त निर्देश, होटल संचालकों पर निगरानी बढ़ाने का आदेश

बिनय मिश्रा

पलामू क्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) नौशाद आलम ने तीनों जिलों के सभी थाना प्रभारियों को निर्देश जारी किया है कि अपने क्षेत्र के होटलों व लॉजों पर कड़ी निगरानी रखें और यह सुनिश्चित करें कि वहां ठहरने वाले प्रत्येक व्यक्ति की पूरी जानकारी प्रतिदिन सुबह 10 बजे तक संबंधित थाना में उपलब्ध कराई जाए। डीआईजी ने चेतावनी दी है कि यदि जानकारी छुपाई जाती है या कोई व्यक्ति बिना वैध पहचान के ठहरता है, तो उसकी पूरी जवाबदेही होटल संचालक की होगी और उसके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जारी आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि सभी होटल संचालकों से समन्वय बैठक कर उन्हें निर्देशित किया जाए कि हर यात्री का नाम, पता, वैध पहचान पत्र की प्रति, आगमन व प्रस्थान की तिथि, और यदि वाहन साथ है तो उसका विवरण भी थाने में अनिवार्य रूप से दिया जाए। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या वाहन की सूचना मिलते ही तत्काल सत्यापन कर विधिसम्मत कार्रवाई करने का निर्देश है।

डीआईजी ने यह भी कहा है कि किसी आपराधिक परिस्थिति में संबंधित दण्डाधिकारी को तुरंत सूचित करना अनिवार्य होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि त्योहारों और अन्य अवसरों पर विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह कदम बेहद जरूरी है। किसी भी स्तर की लापरवाही सहन नहीं की जाएगी और आदेश का उल्लंघन करने पर संबंधित होटल प्रबंधक के विरुद्ध कार्रवाई तय है।

वेट लिफ्टर सुजाता भगत ने तीसरा स्थान प्राप्त कर रचा इतिहास

बिनय मिश्रा

विश्व पुलिस एवं फायर गेम 2025 में 84 किलोग्राम श्रेणी के प्रतियोगिता में महिला वेट लिफ्टर एवं झारखंड की गौरव तथा उपलब्धि और कामयाबी के लिए भारतवर्ष में पहचाने जाने वाली सुजाता भगत ने यू एस ए अलबामा के बर्मिंघम में आयोजित प्रतियोगिता में 1 जुलाई को विश्व पुलिस एवं फायर गेम में तीसरा स्थान प्राप्त कर झारखंड का नाम रौशन किया है। यह प्रतियोगिता 27 जून से प्रारंभ होकर 6 जुलाई तक चलेगा।

सुजाता भगत के इस उपलब्धि और कामयाबी पर पूरा झारखंड प्रदेश गौरवान्वित है। गौरतलब हो कि सुजाता भगत इससे पहले भी कई उपलब्धि और पदक अपने नाम किया है जिनमें अब एक और उपलब्धि भी शामिल हो गया है।

हाई टेंशन तार जमीन पर गिरा, बड़ा हादसा टला

संवाददाता

गुमला : गुमला जिला में बिजली विभाग की आक्रमान्यता एवं कार्य शिथिलता के कारण जगह जगह पर एकाएक बिधुत तार गिरने से कितने लोग और मलेशिया की अबतक दर्दनाक मौत हो चुकी हैं, फलस्वरूप कितने लोग और मवेशी काल के गाल में समां चुकें हैं , फिर भी विधुत विभाग के उच्च पदाधिकारीयों और कर्मचारियों के कानों में जूं नहीं रेंगती हैं, एक और बड़ा हादसा होते - होते बचा, बताया जा रहा हैं की गुमला सदर थाना स्थित चरका टांगर जाम टोली ग्राम के एक स्कूल के समक्ष से गुजरा हाई वोल्टेज टेंशन तार गिरा जिसे देखा आसपास के क्षेत्रों में अफरातफरी मच गई, और लोग सहम उठें, गलीमत यह हुई और सन्तोष जनक ईस बात की रही की , जिस खेत के पास उक्त हाई वोल्टेज टेंशन तार गिरा उस वक्त कोई मनुष्य और मवेशी नहीं थें , नहीं तो एक बड़ी हादसा से इनकार नहीं किया जा सकता है, जिस खेत और जमीन (धरती) में गिरा , वह स्थान पानी से भींगा हुआ था, फलस्वरूप उक्त हाई वोल्टेज टेंशन तार के जमीन में गिरते ही और जमीन से विधुत स्पर्श होते ही , भयंकर विधुत स्पार्क होने लगा और आग की चिंगारी और धुआं उठने लगा गालीमत यह रही की उक्त स्थान पर कोई भी स्कूली बच्चा, गांव के लोग या किसान उक्त खेत के पास नहीं थे , नहीं तो बहुत बड़ी जान माल की नुकसान हो सकती थी , आसपास के खेतों में उपस्थित लोग उक्त घटना को अपने आंखों से देखकर सहम उठें, और विधुत विभाग को भला-बुरा कहने लगें , और बिजली विभाग एवं जिला प्रशासन के उक्त घटना की पुनार्वृति नहीं होने की गुहार लगाई है , विधुत विभाग के अकर्मण्यता और कार्य शिथिलता के कारण और लापरवाही, और हाई वोल्टेज टेंशन तार की देखरेख नहीं करने से आक्रोशित थे , जिले के विभिन्न क्षेत्रों और विशेषकर सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के अधिकांश क्षेत्रों में बिजली के हाई वोल्टेज टेंशन तार गिरने से समय-समय पर लोगों और मवेशियों की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत होती रहती हैं।

यश भारद्वाज को आशीर्वाद और शुभकामना देने पहुंची पूर्व प्राचार्या पी. गौरी

ज्योति पाठक

एस ई रेलवे इंग्लिश मीडियम स्कूल की पूर्व प्राचार्या पी.गौरी एस ई रेलवे स्कूल के विद्यार्थी रहे यश भारद्वाज के इंटर के कला परीक्षा में अव्वल आने पर मिश्रा निवास पहुँच कर यश भारद्वाज को शुभकामना और आशीर्वाद दिया इस अवसर पर विद्यालय की शिक्षिका प्रिया दत्ता भी उपस्थित रहीं। विदित हो कि यश भारद्वाज ने एस ई रेलवे इंग्लिश मीडियम स्कूल से मैट्रिक की परीक्षा अच्छे अंक लाकर पास किया था और 10+2 की परीक्षा में मधुसूदन स्कूल में भी अव्वल आकर अपने मेधावी और प्रतिभावान होने का परिचय दिया है।

ब्राउन शुगर के साथ चार गिरफ्तार

गुमला : गुमला सदर एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव ने अपने कार्यालय कक्ष में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर बताया कि गुमला पुलिस अधीक्षक (पुलिस कप्तान हारिश बिन जामां) महोदय ने प्रतिबंधित मादक पदार्थ जैसा ब्राउन शुगर , गांज एवं अन्य मादक पदार्थों की खरीद बिक्री को रोकथाम करने हेतु और और नकेल लगाने के उद्देश्य से गुमला जिला मुख्यालय में एक विशेष छापामारी दल का गठन कर रखा है जिस में मैं स्वयं (के नेतृत्व में) पुलिस उपाधीक्षक गुमला (प्रशिक्षण) शिव शंकर मरांडी , गुमला पुलिस निरीक्षक सह गुमला सदर थाना प्रभारी महेंद्र कुमार करमाली, पुअनि हिमांशु शेखर सिंह , सअनि सुनील कुमार , सअनि हेमा देवी तथा गुमला थाना के सशस्त्र बल पुलिस सभी छापामारी दल में शामिल थे उन्होंने सर्वप्रथम अनुसंधान के क्रम में सूचना मिली कि गुमला जिला मुख्यालय स्थित लक्ष्मण नगर में ब्राउन शुगर की खरीद बिक्री की जा रही है, उक्त सूचना की सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई करने हेतु उक्त छापामारी दल लक्ष्मण नगर पहुंच और 21 वर्षीय आकाश राज उर्फ आकाश पासवान (पिता - आलोक पासवान) लक्ष्मण नगर लिप्टस बागान के पास से 10 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद करते हुए उसके निशान दही पर गुमला नगर स्थित बैरागी बागान चाहा ग्राम 33 वर्षीय बादल साहू (पिता - भुनेश्वर साहू) को दबोचा और उसके निशानदही पर 25 वर्षीय छोटू साहू उर्फ जागेश्वर साहू (पिता - जगमोहन साहू) चाहा ग्राम के पास से 35,700 रुपया , दो मोबाइल 07 पुड़िया ब्राउन शुगर (12 ग्राम) एवं वेट मशीन दोनों के निशान दही पर 32 वर्षीय मिन्नत कुमार (पिता - ब्रिजवल चौधरी) चाहा ग्राम बैरागी बागीचा के घर से दस ग्राम ब्राउन शुगर , एक वेट मशीन तथा 10, 13,000 रुपया बरामद कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुयें और न्यायिक एवं मीडिया के समक्ष प्रस्तुत करते और न्यायिक हिरासत में लेते हुए गुमला जेल भेज दिया गया हैं।

साप्ताहिक थाना दिवस, सात मामलों में से पांच का हुआ स्थल पर निष्पादन

संवाददाता

गुमला : गुमला जिला अंतर्गत स्थित घाघरा थाना परिसर में घाघरा अंचल अधिकारी एवं थाना प्रभारी की उपस्थित में साप्ताहिक थाना दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न प्रकार की जनसमस्याओं की सुनवाई की गई। कार्यक्रम के दौरान कुल सात मामलों पर सुनवाई की गई, जिनमें से पाँच मामलों का त्वरित निष्पादन मौके पर ही कर दिया गया। थाना दिवस का उद्देश्य आम जनता की छोटी-छोटी समस्याओं का शीघ्र समाधान कर उन्हें राहत प्रदान करना है। इस अवसर पर पुलिस प्रशासन के साथ-साथ अन्य विभागों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे, जिससे समस्याओं के समाधान में समन्वय स्थापित हो सका।स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि थाना दिवस के माध्यम से उन्हें अपनी बात सीधे प्रशासन के समक्ष रखने का अवसर मिल रहा है, जिससे विश्वास एवं पारदर्शिता बढ़ रही है।

उपायुक्त ने चैनपुर एवं जारी प्रखंड का किया दौरा, स्थिति का लिया जायजा

संवाददाता

गुमला: उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने बुधवार को चैनपुर एव जारी प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने उक्त क्षेत्र में किए जा रहे सरकारी कार्यों एव योजनाओं का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

दौरे की शुरूआत पंचायत भवन, बिन्डोरा में लगे धरती आबा जनभागीदारी अभियान के शिविर से हुई। इस दौरान उन्होंने प्रखंड कार्यालय में सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि इस शिविर का उद्देश्य योग्य लाभुकों तक सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि छूटे हुए सभी लाभुकों को पीएम किसान,आयुष्मान कार्ड, पीएम जनधन एवं अन्य योजनाओं से शत प्रतिशत आच्छादित किया जाए।

इसके पश्चात उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र,जारी का निरीक्षण किया। उपायुक्त द्वारा उक्त सेंटर की वर्तमान स्थिति, सफाई, शौचालय, पानी ,बिजली,भवन मरम्मती इत्यादि की जानकारी ली गई। उपायुक्त गुमला ने ओपीडी पंजी की जांच कर कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही यथाशीघ्र लेबर रूम में आवश्यक उपकरण उपलब्धत कराते हुए सही तरीके से लेबर रूम का संचालन करने का निर्देश दिया गया।

जारी गांव के मुखिया द्वारा उपायुक्त गुमला को बताया गया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक जानेवाली सड़क रैयती जमीन में हैं। इस सम्बन्ध में उपायुक्त ने मुखिया को ग्रामसभा कर सड़क निर्माण हेतु प्रस्ताव पारित करने की बात कही।

इसके पश्चात उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित जारी प्रखंड स्थित परमवीर अल्बर्ट एक्का की समाधि स्थल पहुंचीं। वहां उन्होंने समाधि स्थल के आसपास साफ सफाई कराने हेतु संबंधित पदाधिकारी को निर्देशित किया।

दौरे के क्रम में जारी गांव के ग्रामीणों द्वारा उपायुक्त को जानकारी दी गई कि इस गांव में बिजली एवं सड़क की समस्या है। जिसके करना ग्रामीणों को परेशानियों का करना पड़ता है। ग्रामीणों द्वारा सड़क निर्माण एवं बिजली की समस्या दूर करने की मांग की गई है। पंचायत सचिवालय में मोबाइल नेटवर्क की समस्या की जानकारी दी गई।

इसके पश्चात उपायुक्त गुमला ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना अंतर्गत प्राप्त तालाब (लाभुक जॉनी कुजूर) का उद्घाटन किया । इस दौरान उन्होंने संबंधित पदाधिकारी को निर्देश दिया कि सुरक्षा एवं साज सज्जा के दृष्टिकोण से इस तालाब के चारों पत्थर लगाए जाए साथ ही चारों ओर पेड़ -पौधे भी लगाएं। उपायुक्त गुमला ने तालाब के समीप ही पौधारोपण भी किया।

इसके उपरान्त उपायुक्त ने आंगनबाड़ी केंद्र, भीखमपुर का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र में नए किचन बनवाने हेतु संबंधित पदाधिकारी को निर्देशित किया। केंद्र में खराब पड़े चापाकल को यथाशीघ्र मरम्मत करने की बात कही। उपायुक्त ने आंगनबाड़ी केंद्र में बनाए जा रहे भोजन की जांच कर बच्चों को पौष्टिक आहार देने हेतु सहायिका सेविका को निर्देशित किया।

उन्होंने जारी प्रखंड स्थित राजकीयकृत उत्क्रमित प्लस टू विद्यालय, का भी निरीक्षक किया। वहां उन्होंने स्कूली बच्चियों से संवाद स्थापित किया और उनसे समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। प्रधानाध्यापक द्वारा बताया गया कि विद्यालय भवन जर्जर है। इसपर उपायुक्त ने संबंधित विभाग के पदाधिकारी को भवन निरीक्षण कर मरम्मत करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने विद्यालय परिसर में स्थित पुस्तकालय का भी जायजा लिया। उन्होंने पुस्तकालय की व्यवस्था सही करने की बात कही। जिससे बच्चे पुस्तकालय में आएं और पढ़ाई करें। साथ ही साथ उन्होंने विद्यालय परिसर में बच्चों हेतु बन रहे मध्याह्न भोजन की भी जांच की।